www.tamsasanket.com
वर्ष: 30 || अंक 313 || अम्बेडकरनगर
रविवार
08 फरवरी 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्य: ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक
तमसा संकेत
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित
डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदय: 06:48
सूर्यास्त: 05:53
अधिकतम: 24°00
न्यूनतम: 11°00

पेज 07

विशेष समाचार | संसदीय हंगामा-सबके लिए ... >> पेज 04 | मथुरा में एक्सप्रेस-वे पर ... >> पेज 06 | दुबई फैशन वीक में कृति सेनन ...

अमेरिका ने रूस से तेल खरीदने पर जुर्माना हटाया, कई वस्तुओं पर शून्य टैरिफ

चीन की उड़ेगी नींद

भारत-अमेरिका ट्रेड डील

समझौता

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते को लेकर पिछले एक साल से चल रही वार्ता की सफल समाप्ति के बाद दोनों देशों ने शुक्रवार देर रात साझा बयान जारी कर दिया। इसके साथ ही रूस से तेल खरीदने के कारण भारत पर जुर्माने के रूप में लगने वाला 25 प्रतिशत का शुल्क तत्काल प्रभाव से समाप्त हो गया।

अमेरिका ने भारत के निर्यात पर 50 प्रतिशत का शुल्क लगा रखा था इनमें 25 प्रतिशत जुर्माने के रूप में तो 25 प्रतिशत पारस्परिक शुल्क के रूप में है। पारस्परिक शुल्क के रूप में लग रहे 25 प्रतिशत का शुल्क समझौते के मुताबिक अब 18 प्रतिशत हो जाएगा। अगले तीन-चार दिनों में अमेरिका इस संबंध में कार्यकारी आदेश जारी कर देगा। समझौते के मसौदे पर अगले माह के मध्य तक दोनों देश हस्ताक्षर करेंगे। उसके बाद भारत फिर से शुल्क को 18 प्रतिशत से भी कम करने पर बातचीत कर सकता है।

>> (शेष पेज 06 पर)

भारत ने किन-किन आइटम को अमेरिका के लिए नहीं खोला है?

- जेनेटिकलि मोडिफाइड कोई वस्तु नहीं, मांस, पोल्ट्री, सोयाबीन, मक्का, डेयरी वस्तुएं, चावल, गेहूं, चीनी, मिलेट, बाजरा, रागी, कोदो, केला, स्ट्रोबेरी, चेरी, साइट्रस फल, ग्रीन चाय, मुंग, काबली चना, तिलहन, मधु, एथनाल, तंबाकू।
- 18 प्रतिशत शुल्क होने से भारत के जिन सेक्टर के निर्यात को होगा अधिक फायदा।
- टेक्सटाइल, लेदर आइटम व फुटवियर, जेम्स व ज्वैलरी, केमिकल्स, खिलौना, स्पोर्ट्स गुड्स, कृषि व विभिन्न प्रोसेस्ड आइटम।

चीन की क्यों बढ़ेगी बेचैनी?

कांत ने इस अंतरिम समझौते को एक 'रणनीतिक जीत' करार दिया है। यह चीन के खिलाफ सप्लाई चेन को मजबूत करता है। साथ ही रुपये की स्थिरता को भी सपोर्ट करता है। दूसरे शब्दों में कहें तो यह समझौता चीन के दबदबे को चुनौती देगा। कांत ने लिखा, 'यह एक रणनीतिक जीत है जो चीन के खिलाफ सप्लाई चेन को मजबूत करती है। रुपये की स्टेबिलिटी को सपोर्ट करती है। पीएम नरेंद्र मोदी को उनके साहसिक नेतृत्व और विजन के लिए बहुत-बहुत बधाई। पीयूष गोयल को उनकी लगन और गतिशीलता के लिए और वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल को उनके दृढ़ संकल्प और कड़ी मेहनत के लिए मेरी शुभकामनाएं। आपसी फायदेमंद द्विपक्षीय संबंध विकसित भारत की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।'

गोयल ने कहा कि अमेरिका के बाजार में चीन, इंडोनेशिया, बांग्लादेश, वियतनाम जैसे देशों से हमारा मुकाबला है, उन सभी पर 18 प्रतिशत से अधिक का शुल्क है। इसलिए हमारे निर्यात में तेज बढ़ोतरी होगी। हम समझते हैं कि भारत जल्द ही अमेरिका के बाजार में 300 अरब डॉलर का निर्यात करने लगेगा।

हिमंता तुम 2 रुपए के भिखारी: औवेसी

कहो तो अकाउंट में ट्रांसफर कर दूं

बयान

तमसा संकेत, एजेंसी

निजामाबाद। AIMIM अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने असम CM हिमंता बिस्वा सरमा के मियां मुस्लिम वाले बयान पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा- मुझे पता है कि तुम 2 रुपए के भिखारी हो। क्या मैं ये पैसे तुम्हारे अकाउंट में ट्रांसफर कर दूं। दरअसल कुछ दिन पहले हिमंता ने मियां मुस्लिम पर एक बयान दिया था कि अगर वो (मियां मुस्लिम) रिक्शा के लिए 5 रुपए मांगे, तो 4 रुपए ही दो। इस तरह के छोटे-छोटे काम से परेशानी होने पर ही वो राज्य छोड़ेंगे। निजामाबाद रैली में AIMIM चीफ ने कहा कि संविधान सबको बराबर का हक देता है। पीएम हो या सीएम, किसी के साथ भेदभाव नहीं होना चाहिए। लेकिन हिमंता कहते हैं कि मियां मुस्लिमों के साथ ऐसा करेंगे।

>> (शेष पेज 06 पर)

असम सीएम ने कहा था- मियां 5 मांगे, तो 4 दो

आरएसएस को पावर की इच्छा नहीं: भागवत

मुंबई में कहा- संघ किसी रिएक्शन में काम नहीं करता

तमसा संकेत, एजेंसी

मुंबई। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) प्रमुख मोहन भागवत ने शनिवार को कहा कि RSS किसी के खिलाफ नहीं है और न ही उसे सत्ता या पावर की इच्छा है। उन्होंने कहा कि संघ किसी घटना के रिएक्शन में काम नहीं करता, बल्कि देश में चल रहे सकारात्मक प्रयासों को समर्थन और मजबूती देने पर फोकस करता है। उन्होंने कहा कि संघ कोई पैरामिलिट्री फोर्स नहीं है। रूट मार्च और स्वयंसेवकों के लाठी अभ्यास के बावजूद RSS को अखाड़ा या सैन्य संगठन के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। संघ राजनीति में सीधे तौर पर शामिल नहीं है, हालांकि संघ के कुछ लोग राजनीति में सक्रिय हैं। भागवत ने कहा कि भारत का बंटवारा धर्म की वजह से हुआ।

>> (शेष पेज 06 पर)

मुंबई में शनिवार को हुए संघ के कार्यक्रम में आरएसएस चीफ मोहन भागवत और एक्टर सलमान खान शामिल हुए।

फास्ट न्यूज

दिल्ली डेथ केस-गड्ढे वाली जगह पर बैरिकेड-लाइट नहीं थे

नई दिल्ली। दिल्ली के जनकपुरी में मोटरसाइकिल सवार की मौत के मामले में FIR में कहा गया है कि साइट पर कोई वॉर्निंग साइन, बैरिकेड या लाइटिंग नहीं थी। कोई गार्ड तैनात भी नहीं किया गया था। FIR में कहा गया है कि गड्ढे को बिना किसी सुरक्षा उपाय के खुला छोड़ दिया गया था।

एलान नॉमिनेशन

भाजपा की रितु तावड़े बीएमसी महापौर पद की उम्मीदवार

मुंबई। मुंबई में मेयर और डिप्टी मेयर के चुनाव के लिए BJP और शिवसेना ने अपने उम्मीदवारों का ऐलान कर दिया है। BJP की रितु तवाड़े ने शनिवार को महापौर पद के लिए नॉमिनेशन दाखिल किया, जबकि शिवसेना (शिंदे गुट) ने संजय घाड़ी को डिप्टी मेयर पद का उम्मीदवार बनाया है। तवाड़े और घाड़ी ने नगर निगम सचिवालय में नामांकन दाखिल किया। इस दौरान मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा समेत कई बड़े नेता मौजूद रहे। मेयर का चुनाव 11 फरवरी को दोपहर 12 बजे होगा। संभावना है कि शिवसेना ठाकरे गुट भी मेयर पद के लिए उम्मीदवार खड़ा कर सकता है।

सोनिया गांधी के वोटर लिस्ट केस में कोर्ट को जवाब

नई दिल्ली। सोनिया गांधी ने नागरिकता से पहले वोटर लिस्ट में नाम जोड़े जाने के केस में अपना जवाब दाखिल किया है। शनिवार को राउज एवेन्यू कोर्ट को दिए जवाब में कहा उनके खिलाफ दायर पुनर्विचार याचिका गलत और अनुमानित तथ्यों पर आधारित है। यह याचिका ओछी राजनीति से प्रेरित और कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग है।

मलेशिया पहुंचे मोदी को रिसीव करने पहुंचे पीएम इब्राहिम

प्रधानमंत्री बोले- ये उनका भारतीयों के लिए प्रेम, यहां जल्द यूपीआई लॉन्च करेंगे

दौरा

तमसा संकेत, एजेंसी

कुआलालंपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को 8 साल बाद दो दिन के मलेशिया दौरे पर पहुंचे। उन्हें मलेशिया के पीएम अनवर इब्राहिम ने एयरपोर्ट पर अपनी कार से रिसीव किया। इसके बाद पीएम मोदी कुआलालंपुर में भारतीय समुदाय को संबोधित किया।

इस दौरान पीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम खुद एयरपोर्ट पर मेरा स्वागत करने आए। वे मुझे अपनी कार से यहां लाए। इतना ही नहीं, उन्होंने मुझे अपनी सीट पर भी बैठाया। उन्होंने कहा, यह खास सम्मान भारत और भारतीय समुदाय के प्रति उनके प्यार और सम्मान को दिखाता है। भारत जल्द यहां अपना पमेंट सिस्टम UPI लॉन्च करेगा।

>> (शेष पेज 06 पर)

मलेशिया के पीएम अनवर इब्राहिम, पीएम मोदी को रिसीव करने एयरपोर्ट पहुंचे थे।

भारतीयों ने रोटी चनाई को मलाबार परोट्टा से जोड़ा : पीएम मोदी

पीएम मोदी ने भारतीय समुदाय के लोगों से कहा कि आपने रोटी चनाई को मलाबार परोट्टा से जोड़ा है। नारियल, मसाले और चाय भी हमारे रिश्ते को जोड़ते हैं। चाहे कुआलालंपुर हो या कोच्चि, स्वाद एक जैसे लगते हैं। हम एक-दूसरे को अच्छी तरह समझते हैं, शायद इसलिए क्योंकि हमारी भाषाओं और मलय भाषा में कई शब्द समान हैं।

>> (शेष पेज 06 पर)

एसएचओ की मौत, 13 घायल, झूले पर 18 लोग बैठे थे, मेला ग्राउंड खाली कराया गया

सूरजकुंड मेले में गिरा झूला

दुर्घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

फरीदाबाद। हरियाणा के फरीदाबाद में चल रहे सूरजकुंड मेले में शनिवार को एक झूला गिर गया। हादसे में एक पुलिस इंस्पेक्टर की मौत हो गई, जबकि 13 लोग घायल हो गए। घायलों का निजी और बादशाह खान सिविल अस्पताल में इलाज चल रहा है।

घटना के बाद डिप्टी कमिश्नर (DC) आयुष सिन्हा घटनास्थल पर पहुंचे और मेला ग्राउंड को खाली करा दिया गया। झूले पर 18 लोग बैठे हुए थे। घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, इसमें झूला ऊपर से नीचे आते हुए गिरता हुआ दिख रहा है। इसके बाद मेले में लोग इधर-उधर भागने लगे।

>> (शेष पेज 06 पर)

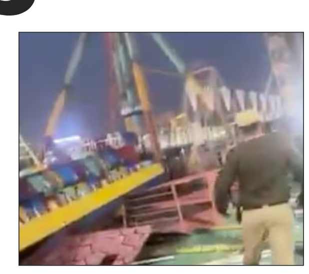

शाम को गेट गिरा, एक व्यक्ति घायल

शनिवार शाम को ही मेले के नंबर-2 के पास बना डिजाइनर गेट अचानक गिर पड़ा। गेट पहले से ही झुका हुआ था। इसकी चपेट में आने से एक व्यक्ति घायल हो गया। हालांकि, उसे ज्यादा चोट नहीं आई। इसके बाद मेले प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर गेट का मलबा मौके से हटाया।

डीसी बोले- वेंडर की लापरवाही की जांच होगी

DC आयुष सिन्हा ने बताया कि घटना में 13 लोग घायल हुए हैं। 9 लोगों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि 3 लोगों का बादशाह खान सिविल अस्पताल में इलाज चल रहा है। इस मामले में कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी। टूरिज्म विभाग द्वारा डेली इंस्पेक्शन रिपोर्ट बनाई जा रही थी। वेंडर की लापरवाही की जांच की जाएगी और दोषी लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कराया जाएगा। पलवल में चांदहट थाने के SHO जगदीश प्रसाद की भी झूले की चपेट में आने से मौत हो गई।

हड़कंप : शव रखकर परिजनों का प्रदर्शन, पुलिस ने भेजा पोस्टमार्टम

प्रसव के बाद महिला की मौत, निजी क्लिनिक पर लापरवाही का आरोप

परिजनों का आरोप है कि प्रसव के बाद प्रियंका की हालत अचानक बिगड़ने लगी। उन्होंने बताया कि महिला की स्थिति गंभीर होने के बावजूद क्लिनिक के कर्मचारियों ने समुचित उपचार नहीं किया। आरोप है कि हालत बिगड़ने पर अस्पताल के कर्मचारी उसे छोड़कर मौके से चले गए।

- बिगड़ती हालत में छोड़े जाने का आरोप
- रेफर के बाद रास्ते में मौत
- शव लेकर क्लिनिक पहुंचे परिजन
- जांच में जुटी पुलिस

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर। बसखारी थाना क्षेत्र में प्रसव के बाद एक महिला की मौत से हड़कंप मच गया। परिजनों ने बसखारी बाजार स्थित नवजीवन क्लिनिक पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाते हुए शव को अस्पताल के बाहर रखकर विरोध प्रदर्शन किया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थिति संभाली और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। स्थिति बिगड़ने पर परिजन प्रियंका को लेकर अकबरपुर पहुंचे, जहां से डॉक्टरों ने हालत गंभीर बताते हुए लखनऊ रेफर कर दिया। परिजन एंबुलेंस से प्रियंका को लखनऊ ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। इससे परिजनों में आक्रोश फैल गया। महिला की मौत के बाद परिजन देर रात शव को लेकर दोबारा बसखारी बाजार स्थित नवजीवन क्लिनिक पहुंचे।

>> (शेष पेज 06 पर)

प्रसव पीड़ा पर कराया गया था भर्ती

बसखारी थाना क्षेत्र के बुकिया गांव निवासी प्रियंका पत्नी संदीप कुमार को बीते गुरुवार को प्रसव पीड़ा होने पर बसखारी बाजार स्थित नवजीवन क्लिनिक में भर्ती कराया गया था। शुक्रवार को प्रियंका ने एक बच्ची को जन्म दिया। बच्ची के जन्म के बाद परिजनों में खुशी का माहौल था, लेकिन कुछ ही समय में हालात बदल गए।

पुलिस ने संभाली स्थिति

घटना की सूचना मिलते ही बसखारी पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने आक्रोशित परिजनों को समझा-बुझाकर शांत कराया और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

मंत्री-शाह ने कर्नल सोफिया मामले में चौथी बार माफी मांगी

सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई से पहले वीडियो जारी किया

क्षमा

तमसा संकेत, एजेंसी

भोपाल। कर्नल सोफिया को लेकर दिए बयान को लेकर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई से दो दिन पहले प्रदेश के जनजातीय कार्य मंत्री विजय शाह ने एक बार फिर माफी मांगी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी किया है।

शाह ने कहा- मैंने पहले भी कई बार कहा है, मेरा ऐसा कोई उद्देश्य नहीं था कि किसी महिला अधिकारी, भारतीय सेना या समाज, किसी वर्ग का अपमान हो। वे शब्द निस्संदेह मेरी भावना के अनुरूप नहीं थे। वे शब्द देश भक्ति के उत्साह, उत्तेजना और आवेश में निकले थे। गलती के पीछे की भावना को अवश्य देखा जाना चाहिए। आप सब जानते हैं कि मेरी कोई दुर्भावना नहीं थी।

मैंने अंतःकरण से क्षमा याचना की। कई बार की है। आज फिर कर रहा हूं। मेरे लिए अत्यंत पीड़ादायक है कि मेरी छोटी से त्रुटि से ऐसा विवाद उत्पन्न हुआ। मुझे विश्वास है कि मेरी भावनाओं को सही संदर्भ में देखा जाएगा।

>> (शेष पेज 06 पर)

विजय शाह ने पिछले साल महू में दिया था बयान

कैंसर इलाज पर चर्चा, भाजपा सरकार पर उपेक्षा का आरोप, मुफ्त इलाज की योजनाओं को बताया ऐतिहासिक

कैंसर दिवस पर अखिलेश ने डॉक्टरों संग की बैठक

चर्चा

समाजवादी सरकार के कार्यों को किया याद

अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी सरकार की सोच अंतरराष्ट्रीय स्तर की स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की थी, लेकिन वर्तमान भाजपा सरकार इस दिशा में पूरी तरह उपेक्षा कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि आज गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों को पर्याप्त इलाज नहीं मिल पा रहा है।

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय, लखनऊ में शुक्रवार को कैंसर दिवस के अवसर पर एक विशेष बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कैंसर जैसी गंभीर बीमारी और उसके इलाज को लेकर सम्मानित डॉक्टरों के दल के साथ विस्तार से चर्चा की।

बैठक के दौरान डॉक्टरों ने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार के समय कैंसर और अन्य गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए जो व्यवस्थाएं की गई थीं, वह आज भी मिसाल के रूप में याद की जाती हैं। उस समय मरीजों के प्रति संवेदनशील रवैया और बेहतर इलाज की सुविधा उपलब्ध कराई गई थी।

उन्होंने बताया कि समाजवादी सरकार के कार्यकाल में कैंसर, किडनी, लीवर और हृदय रोग जैसी गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए निःशुल्क और उच्चस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराई गई थीं। वर्ष 2016 में लखनऊ में 100 एकड़ भूमि पर करीब एक हजार करोड़ रुपये की लागत से कैंसर हॉस्पिटल एवं रिसर्च इंस्टीट्यूट की स्थापना की गई थी।

बैठक में बबलू बिन्द ने अपनी बात रखते हुए बताया कि उनकी मां के कैंसर इलाज के लिए मुख्यमंत्री रहते हुए अखिलेश यादव ने 4.56 लाख रुपये की सहायता प्रदान की थी, जिससे उनके परिवार को बड़ा सहारा मिला। उन्होंने कहा कि उनका परिवार आज भी इसके लिए आभारी है। अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी की असली पहचान लोगों की सेवा करना है। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि अगर गरीब और जरूरतमंद लोगों को इलाज और न्याय नहीं मिल पा रहा है, तो ऐसे विकास का क्या मतलब है। इस अवसर पर पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेन्द्र चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल सहित कई वरिष्ठ नेता, डॉक्टर और समाजसेवी मौजूद रहे। सभी ने स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने और आम लोगों तक बेहतर इलाज पहुंचाने पर जोर दिया।

एलपीएल ऑक्शन के खिलाफ क्रिकेट खिलाड़ियों का प्रदर्शन

समझाने आए लीग कमिश्नर को हटाया, पूछा- केवल सोर्स वालों को मौका क्यों दिया

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में 7 मार्च से होने वाले लखनऊ प्रीमियर लीग (LPL) के ऑक्शन के बाद लोकल खिलाड़ी विरोध में उतर आए हैं। क्रिकेट प्लेयर एसोसिएशन से जुड़े खिलाड़ियों ने LPL और लखनऊ क्रिकेट एसोसिएशन के खिलाफ शनिवार को प्रदर्शन किया। वे क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ लखनऊ (CAL) के कार्यालय पर पहुंच गए।

प्लेयर्स के CAL पहुंचने पर बीबीडी बैडमिंटन एकेडमी का गेट बंद कर दिया गया। खिलाड़ियों ने लखनऊ क्रिकेट एसोसिएशन के हेड नवनीत सहगल और खलीक अहमद के खिलाफ मुर्दाबाद के नारे लगाए। उनका कहना है कि LPL में दूसरे जिलों के खिलाड़ियों को मौका दिया

गया। LPL लखनऊ के खिलाड़ियों को मौका नहीं मिला जो कि योग्य और मेहनती हैं।

खिलाड़ियों को मनाने के लिए लीग के कमिश्नर एसपी मिश्र पहुंचे। उन्होंने बात करने की कोशिश की। इसी दौरान खिलाड़ियों से उनकी कहासुनी शुरू हो गई। इसके बाद कमिश्नर को वहां से जाना पड़ा। इस दौरान उनके पीछे खिलाड़ियों ने मुर्दाबाद के नारे लगाकर सड़क तक भेज दिया। खिलाड़ियों के साथ उनके घरवाले भी प्रदर्शन में पहुंचे।

6 मार्की प्लेयर लीग में खेलेंगे

लखनऊ क्रिकेट एसोसिएशन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुजय त्रिपाठी ने बताया- IPL और यूपी टी-20 में यूपी से खेलने वाले 6 खिलाड़ी बतौर मार्की प्लेयर लीग में हिस्सा ले रहे हैं। इसमें जीशान अंसारी, नमन तिवारी, अंश यादव, विप्रज निगम, उपेंद्र यादव, कृतज्ञ कुमार सिंह शामिल हैं। इनकी कीमत डेढ़ लाख रुपए है। ये बतौर स्टार प्लेयर टीमों में शामिल होंगे।

फास्ट न्यूज

1103 को बुलाया, 874 ने हिस्सा लिया

लखनऊ। लखनऊ छावनी स्थित एएमसी स्टेडियम में चल रही भारतीय सेना की अग्निवीर भर्ती रैली के दूसरे दिन क्लर्क/स्टोरकीपर तकनीकी (एसकेटी) श्रेणी के लिए भर्ती आयोजित की गई। इस भर्ती रैली का आयोजन भर्ती कार्यालय लखनऊ की ओर से किया गया। क्लर्क/स्टोरकीपर तकनीकी श्रेणी के लिए एआरओ लखनऊ के अंतर्गत आने वाले 13 जिलों की सभी तहसीलों से कुल 1103 अभ्यर्थियों को बुलावा पत्र जारी किए गए थे।

यूजीसी के समर्थन में सुहेलदेव आर्मी का हंगामा

लखनऊ। लखनऊ में सुहेलदेव आर्मी के कार्यकर्ताओं ने यूजीसी के समर्थन में विधानसभा का घेराव करने की कोशिश की। बड़ी संख्या में पहुंचे कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए यूजीसी को जल्द लागू करने की मांग उठाई। प्रदर्शन के दौरान हालात बिगड़ते देख पुलिस प्रशासन को मोर्चा संभालना पड़ा।

सुहेलदेव आर्मी संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष योगेश पासी ने बताया- हमने अपने कार्यकर्ताओ के साथ विधानसभा के बाहर एकत्र हुए और यूजीसी के समर्थन में जोरदार नारे लगाए। राष्ट्रीय अध्यक्ष का कहना था कि यूजीसी को तुरंत लागू किया जाए ताकि उच्च शिक्षा में समानता और न्याय सुनिश्चित हो सके।

पंचायती राज मंत्री ओम प्रकाश का दावा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में इस वर्ष प्रस्तावित पंचायत चुनाव को लेकर योगी आदित्यनाथ सरकार के मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने बड़ा दावा कर दिया है। उत्तर प्रदेश के पंचायती राज मंत्री राजभर शनिवार को सुलतानपुर में थे और मीडिया से बातचीत भी की। जिला पंचायत सभागार सुलतानपुर में केंद्रीय बजट 2026 को लेकर आयोजित पत्रकार वार्ता में पंचायती राज मंत्री एवं सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने एसआईआर की सीमा बढ़ाने के कारण और पंचायत चुनाव की तिथि लगभग स्पष्ट कर दी।

31 मार्च तक चलेगा राष्ट्रीय मध्यस्थता अभियान 2.0

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के सचिव जीवक कुमार सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा), नई दिल्ली तथा मीडियेशन एवं कंसीलियेशन प्रोजेक्ट कमेटी, सर्वोच्च न्यायालय, नई दिल्ली के तत्वावधान में सम्पूर्ण देश में 01 जनवरी 2026 से 31 मार्च 2026 तक राष्ट्रीय मध्यस्थता अभियान 2.0 का संचालन किया जा रहा है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य मध्यस्थता के माध्यम से न्यायालयों में लंबित प्रकरणों का त्वरित, सरल एवं सौहार्दपूर्ण समाधान सुनिश्चित करना है।

उन्होंने बताया कि माननीय राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में जनपद स्तर पर यह अभियान जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की अध्यक्षा माननीय जनपद न्यायाधीश मलखान सिंह के कुशल निर्देशन में संचालित किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत जनपद के समस्त न्यायालयों, पारिवारिक न्यायालय, वाणिज्यिक न्यायालय, मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण, उपभोक्ता फोरम, भूमि अर्जन एवं भूमि अधिग्रहण पुनर्व्यवस्थापन प्राधिकरण सहित अन्य संबंधित न्यायालयों में लंबित मामलों का मध्यस्थता के माध्यम से निस्तारण कराया जाएगा।

राष्ट्रीय मध्यस्थता अभियान 2.0 के अंतर्गत वैवाहिक विवाद, मोटर दुर्घटना दावे, घरेलू हिंसा से संबंधित प्रकरण, चेक बाउंस के मामले, वाणिज्यिक एवं सेवा विवाद, शमनीय आपराधिक मामले, उपभोक्ता विवाद, ऋण वसूली, संपत्ति के बंटवारे, बेदखली से संबंधित वादों सहित अन्य उपयुक्त दीवानी मामलों एवं लंबित प्रार्थना पत्रों का समाधान मध्यस्थता के माध्यम से किया जा सकता है।

घुले सुशील चंद्रभान एसटीएफ के डीआईजी बने, यमुना प्रसाद मुरादाबाद पीटीएस भेजे गए

5 सीनियर आईपीएस अफसरों के ट्रांसफर

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। यूपी में 5 सीनियर IPS अफसरों के ट्रांसफर हुए हैं। शासन ने शुक्रवार शाम ट्रांसफर लिस्ट जारी कर दी है। सभी DIG रैंक के अफसर हैं। इनमें से चार अफसरों को प्रमोशन के बाद अपनी पोस्टिंग का इंतजार था। आज उन्हें पोस्टिंग दे दी गई।

सुशील कुमार घुले STF के DIG बनाए गए हैं। वे अभी तक STF में SSP थे। गौतमबुद्धनगर पुलिस कमिश्नरेट में DCP यमुना प्रसाद को मुरादाबाद PTS में DIG बनाया गया है।

पुलिस मुख्यालय पर तैनात हेमराज मीणा को भी प्रमोशन के बाद पोस्टिंग दे दी गई है, उन्हें

IPS हेमराज मीणा ने वेस्ट यूपी में माफिया अतीक की राह पर चले ललित कौशिक गैंग की कमर तोड़ी थी।

CIFS में DIG बनाया गया है। मेरठ में 44वीं वाहिनी पीएसी में तैनात सचींद्र पटेल को लखनऊ में डीआईजी एंटी करप्शन में DIG के पद पर तैनाती दी गई है। यहां तैनात रहे अखिलेश चौरसिया को DIG स्थापना बनाया गया है। अखिलेश कुमार चौरसियाः 2009 बैच के अफसर हैं। वे पहले इंजीनियर थे।

घुले सुशील चंद्रभानः 2012 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं।

यमुना प्रसादः सिद्धार्थनगर में नेपाल बॉर्डर बढ़नी के रहने वाले यमुना प्रसाद 2012 बैच के IPS अफसर हैं।

हेमराज मीणाः 2012 बैच के IPS हैं। राजस्थान के रहने वाले हेमराज मीणा हिंदी लिटरेचर में एमए हैं। वे मुरादाबाद में SSP रहे हैं।

सचिन्द्र पटेलः 2012 बैच के IPS हैं। जौनपुर के रहने वाले सचिन्द्र ने इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी में बीटेक किया है।

डीएम से भिड़ने वालीं चारू को सुल्तानपुर की कमान

योगी सरकार ने 4 फरवरी की रात 24 IPS अफसरों के ट्रांसफर किए थे। इनमें 6 जिलों के वह SP भी शामिल रहे, जिन्हें प्रमोशन देकर DIG बनाया गया था। कुल 11 जिलों में SP और SSP बदले गए।

सात साल आंखों के सर्जन रहे डॉक्टर कौस्तुभ को गोरखपुर का नया SSP बनाया गया। तेज-तर्रार महिला IPS चारू निगम को 2 साल बाद फील्ड में पोस्टिंग मिली। उन्हें सुल्तानपुर का SP बनाया गया है। 2024 में जब वह औरैया की SP थीं, तब वह तत्कालीन DM से भिड़ गई थीं। मामला लखनऊ तक पहुंचा तो उनका तबादला हो गया था। संभल में 100 करोड़ रुपए से अधिक का बीमा घोटाला पकड़ने वाली अपर पुलिस अधीक्षक अनुकृति शर्मा का गौतमबुद्धनगर के लिए तबादला हुआ है। उन्हें अपर पुलिस उपायुक्त बनाकर भेजा गया है।

अनुकृति 2020 बैच की IPS अधिकारी हैं। बुलंदशहर में उस समय चर्चा में आईं, जब एक विधवा के घर पहुंचीं और घर को अंधेरे में देख अनुकृति ने एक्शन लिया। तत्काल विधवा महिला के घर पर बिजली का कनेक्शन करवाया।

सरोजनी नगर में भाजपा समर्थित तत्वों पर कार्रवाई के लिए हुसैनगंज थाने में तहरीर

कांग्रेस नेता की अपमानजनक तस्वीर पर एफआईआर दर्ज करने की मांग

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। बीते दो दिन पूर्व सरोजनी नगर के भाजपा पोषित अवांछनीय तत्वों द्वारा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मा0 श्री अजय राय जी- पूर्व मंत्री की अपमानजनक तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा की गई जिससे आहत कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जिला कांग्रेस कमेटी लखनऊ के अध्यक्ष रूद्र दमन सिंह बबलू के नेतृत्व में दिनांक 03 फरवरी 2026 को लखनऊ के थाना हुसैनगंज में उक्त घटना के खिलाफ दोषियों पर एफआईआर दर्ज कराने के लिए तहरीर दी गई। दुर्भाग्य यह है कि पुलिस प्रशासन पूरी तरह से सत्ता के दबाव में काम कर रहा है जो पुलिस पर एफआईआर ना लिखने का दबाव बना रहा है।

इस आलोकतांत्रिक कृत्य से आहत कांग्रेस जन जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रूद्र दमन सिंह बबलू एवं शहर कांग्रेस कमेटी लखनऊ के अध्यक्ष अमित श्रीवास्तव त्यागी एवं डॉ0 शहजाद आलम के संयुक्त नेतृत्व में एक बार फिर एफआईआर दर्ज कराने के लिए हुसैनगंज थाना पहुंचे। कांग्रेस जनों ने थाने पर मौजूद पुलिस जनों से न्यायोचित कार्यवाही की मांग की और कहा कि पुलिस को सत्ता के दबाव में ना करके न्याय और संविधान की मर्यादा का पालन करते हुए कार्य करना चाहिए।

यह बहुत ही खेद का विषय है कि योगी राज में अब एफआईआर भी सिर्फ सत्ता के दबाव में लिखी जा रही है ना कि किसी नियम अथवा कानून के अनुसार।

इस मौके पर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रूद्र दमन सिंह बबलू ने कहा कि अगर जल्द ही दोषियों के विरूद्ध एफआईआर दर्ज नहीं की गई तो हम न्यायालय की शरण में जाने को बाध्य होंगे।

इस मौके पर संजीव पाण्डेय एडवोकेट, प्रदीप सिंह एडवोकेट, अजय वर्मा, मनीष जायसवाल एडवाकेट, मो0 नोमान, मो0 जाहिद, फैजी जैदी, अब्दुल्ला शेर खान, तीर्थराज मिश्रा, शैलेन्द्र दीक्षित, आर0बी0 सिंह, मो0 महमूद एडवोकेट, राजकुमार, राम चन्दर राम, रफी अहमद, आकाश तिवारी एडवोकेट सहित भारी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एवं अधिवक्ता गण मौजूद रहे।

गोसाईगंज में पेड़ काटते समय युवक की मौत

मोहनलालगंज। गोसाईगंज थाना क्षेत्र के मोहम्मदाबाद गांव में पेड़ काटते समय नीचे गिरने से एक युवक की मौत हो गई। परिजनों ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) गोसाईगंज में इलाज में लापरवाही का आरोप लगाकर हंगामे की कोशिश की। इस पर पहुंची पुलिस ने उन्हें समझाकर मना लिया और शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के अनुसार, तिलक चंद्र नामक युवक पेड़ की कटाई कर रहा था, तभी वह अचानक नीचे गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन उसे तुरंत गोसाईगंज सीएचसी ले गए। अस्पताल में इलाज के दौरान युवक की मौत हो गई। मृतक के परिजनों का आरोप है कि अस्पताल में इंजेक्शन लगाए जाने के तुरंत बाद तिलक चंद्र की हालत बिगड़ गई और उसने दम तोड़ दिया। उन्होंने इलाज में लापरवाही की निष्पक्ष जांच की मांग की है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

लखनऊ डीएम ने नायब तहसीलदार को फटकारा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ की सरोजनी नगर तहसील ऑफिस में शनिवार को समाधान दिवस का आयोजन हुआ। इसमें नायब तहसीलदार बिजनौर और पेशकार को लेकर वकीलों के दो गुट आमने-सामने आ गए। एक पक्ष ने अधिकारियों पर रिश्वत लेकर काम करने का आरोप लगाया, जबकि दूसरे पक्ष ने आरोपों को निराधार बताया।

जिलाधिकारी विशाख जी अय्यर फरियादियों की शिकायतें सुन रहे थे। इसी दौरान एक वकील नायब तहसीलदार बिजनौर के न्यायालय से संबंधित एक फाइल लेकर डीएम के पास पहुंचा। आरोप लगाया कि फाइल में मामले से संबंधित आदेश पारित हो चुके हैं, लेकिन नायब तहसीलदार उस पर हस्ताक्षर नहीं कर रहे हैं।

यह सुनकर डीएम भड़क गए। नायब तहसीलदार विवेक सिंह से पूछा कि उनके कोर्ट की फाइल बाहर कैसे पहुंची। नायब तहसीलदार संतोषजनक जवाब नहीं दे सके और

बोले- सस्पेंड कर दूंगा, वकीलों ने रिश्वत लेकर काम करने का आरोप लगाया था

उन्होंने पेशकार पर फाइल बाहर देने का आरोप लगाया। इस पर डीएम ने नायब तहसीलदार को कड़ी फटकार लगाई और कहा- सस्पेंड कर दूंगा। हालांकि, तत्काल कोई निलंबन नहीं किया गया, लेकिन जिलाधिकारी ने पूरे मामले की जांच के आदेश दिए हैं। सरोजनी नगर तहसील बार एसोसिएशन के अध्यक्ष कमलेश प्रताप सिंह चौहान और महामंत्री राजेंद्र यादव के नेतृत्व में पहुंचे अधिवक्ताओं ने डीएम को शिकायती पत्र दिया।

चर्चाः 2027 विधानसभा चुनाव से पहले मायावती ने पार्टी पदाधिकारियों के साथ की बैठक

'समाज में नफरत फैला रही बीजेपी'

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो व पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने चुनावी बिगुल फूंक दिया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में भाजपा सरकार की नीतियों से कुछ लोगों को छोड़कर, जिनके स्वार्थ की पूर्ति की जा रही है, अन्य समाज के सभी वर्ग के लोग बेहद निराश और त्रस्त हैं। लेकिन, उनमें से ब्राह्मण समाज अपनी उपेक्षा, असुरक्षा व अपमान के खिलाफ काफी मुखर है। जिसकी चर्चा हर तरफ हो रही है। बसपा ने हमेशा ब्राह्मण समाज को पूरा सम्मान और न्याय दिया है।

वह शुक्रवार को विधानसभा चुनाव-2027 के मद्देनजर पार्टी कार्यालय पर उत्तर प्रदेश स्टेट यूनिट, मंडल, जिला व विधानसभा स्तर के पदाधिकारियों संग बैठक करने से पहले प्रेस को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि जिस तरह ब्राह्मण समाज मुखर है, उससे भाजपा काफी असजह व चिंतित है। इसके इतर बसपा ने उच्च समाज में खासकर ब्राह्मण समाज को बसपा ने जो पार्टी से लेकर सरकार में पद व आदर दिया वह किसी अन्य पार्टी या सरकार ने कभी नहीं दिया।

2007 की तर्ज बनाएंगे सरकार, होगा कानून का राज

मायावती ने कहा कि पार्टी के लोग विपक्षी पार्टियों के हथकंडो व साजिशों से पूरी तरह वाकिफ हैं। हमारी पार्टी इनका डटकर सामना कर रही है। जिससे संगठन मजबूत हो रहा है। लेकिन चुनावी तैयारियों के मद्देनजर संगठन में जरूरी फेरबदल बड़े पैमाने पर किया गया है। मिशन-2027 को मिशन-2007 की तर्ज पर पूर्ण बहुमत की सरकार बनाकर पूरा किया जाएगा।

टैरिफ पर स्पष्ट होनी चाहिए स्थिति

मायावती ने कहा कि वर्तमान में टैरिफ व अन्य कई ऐसे देश व जनहित के मुद्दे हैं, जिन पर संसद में स्थिति स्पष्ट होनी चाहिए थी लेकिन इनकी आपसी लड़ाई के कारण ये मुद्दे दरकिनार कर दिये गए। देश की जनता सब देख रही है। ऐसे में सत्ता व विपक्ष को ऐसे कृत्यों से बचना चाहिए।

एसआईआर को लेकर मायावती ने कहा कि हर स्तर के अधिकारियों को निर्देशित किया जाए किसी भी सूरत में योग्य व्यक्ति वोटर बनने का न छूटे। गरीब, मज़दूर, महिलाएं, अशिक्षित लोगों में अगर जानकारी का अभाव है तो अफसर इनसे संपर्क कर इनके नाम वोटर लिस्ट में जुड़वाएं।

चाइनीज मांझे से युवक का गला कटा 2 गहरे घाव हुए

बाल-बाल बचा, 48 घंटे में 4 घटनाएं

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में चाइनीज मांझे से कटने की घटनाएं रुकने का नाम नहीं ले रही हैं। चौक इलाके में शनिवार को एक बाइक सवार युवक मांझे की चपेट में आ गया। जिससे उसकी गर्दन में जख्म हो गया। गनीमत रही कि बड़ी घटना होने से बच गई।

इससे पहले 5 फरवरी की शाम करीब 5 बजे गोमती नगर विस्तार में बिजली कर्मी का गला कट गया था। इसके कुछ घंटे पहले गोमती नगर विस्तार में ही शहीद पथ पर रिटायर्ड फौजी का गाल और होंठ कट गया था। उसे 30 टांके लगे हैं। 4 फरवरी को पुराने लखनऊ में 2 मासूम बेटियों के पिता की मौत हो गई थी।

लखनऊ में चाइनीज मांझे से लगातार घटनाओं के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ- डीजीपी राजीव कृष्ण के निर्देश पर पुलिस प्रशासन अभियान चला रहा है। बावजूद इसके गोमतीनगर विस्तार जैसी पॉश कॉलोनी में इस तरह की घटना होना पुलिस व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रहा है। योगी ने 5 फरवरी को कहा था कि अब अगर चाइनीज मांझे से किसी की जान जाती है तो हत्या का केस दर्ज कर जिम्मेदारों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मुकदमा दर्ज कर जेल भेजा जाएगा। चाइनीज मांझे की जब्ती के लिए पूरे प्रदेश में यूपी पुलिस सघनता से अभियान चलाएगी।

प्रतिबंध के बावजूद खुलेआम बिक्री

लोगों का कहना है कि शहर में चीनी मांझे पर प्रतिबंध के बावजूद इसकी खुलेआम बिक्री जारी है। इससे लगातार हादसे हो रहे हैं। बाइक सवार और पैदल राहगीर सबसे ज्यादा जोखिम में हैं। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांझे की बिक्री पर सख्त कार्रवाई, नियमित चेकिंग और दोषियों के खिलाफ कठोर कदम उठाने की मांग की है।

केंद्रीय बजट 2026-27 से खेती, महिला सशक्तिकरण और रोजगार को नई दिशा

प्रभारी मंत्री ने गिनाईं बजट की प्रमुख उपलब्धियां

आयोजन

बृजेंद्र वीर सिंह

केंद्रीय बजट में विनिर्माण क्षेत्र को रणनीतिक और अग्रणी क्षेत्र के रूप में विकसित करने पर जोर दिया गया है। इसके अंतर्गत बायोफार्मा शक्ति, रेयर अर्थ मैगनेट, अनुसंधान, खनन, प्रसंस्करण और विनिर्माण गतिविधियों को प्रोत्साहित किया जाएगा। प्रभारी मंत्री ने कहा कि इससे जिले में औद्योगिक निवेश को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय युवाओं को रोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे।

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर। जिले के प्रभारी मंत्री गिरीश चंद्र यादव ने शनिवार को सर्किट हाउस में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान केंद्रीय बजट 2026-27 की प्रमुख उपलब्धियों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह बजट किसानों, महिलाओं, युवाओं और कारीगरों के लिए नए अवसर लेकर आया है और इससे जिले के सामाजिक व आर्थिक विकास को गति मिलेगी।

प्रभारी मंत्री ने बताया कि केंद्रीय बजट में घोषित एआई आधारित 'भारत विस्तार योजना' के माध्यम से जिले के किसान आधुनिक और वैज्ञानिक तकनीकों से जुड़ेंगे। इस योजना के तहत किसानों को फसल उत्पादन, मौसम पूर्वानुमान, मिट्टी की गुणवत्ता, कीट नियंत्रण और कृषि से जुड़ी अन्य महत्वपूर्ण जानकारियां डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराई जाएंगी। इससे खेती की लागत घटेगी और उत्पादन में वृद्धि होगी।

एमएसएमई सेक्टर को मजबूत करने के लिए बजट में 10 हजार करोड़ रुपये की समर्पित एसएमई विकास निधि की स्थापना की गई है। इस निधि के माध्यम से छोटे और मध्यम उद्यमों को वित्तीय सहायता मिलेगी। प्रभारी मंत्री ने कहा कि इससे जिले के युवाओं को स्वरोजगार शुरू करने में मदद मिलेगी और स्थानीय स्तर पर उद्यमिता को बढ़ावा मिलेगा। नेशनल फाइबर स्कीम के तहत जिले के बुनकर वर्ग की कारीगरी को देशभर में नया बाजार उपलब्ध कराया जाएगा। इससे बुनकरों के उत्पादों की मांग बढ़ेगी और उनकी आय में वृद्धि होगी। पारंपरिक हस्तशिल्प और वस्त्र उद्योग को मजबूती मिलने से इस क्षेत्र से जुड़े परिवारों की आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए प्रभारी मंत्री ने कहा कि सपा प्रमुख अखिलेश यादव को बजट की कोई समझ नहीं है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय बजट 2026-27 विकासोन्मुखी है और इसका लाभ हर वर्ग तक पहुंचेगा।

महिलाओं के लिए सी-मार्ट्स की शुरुआत

ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जिले में सी-मार्ट्स की स्थापना की जाएगी। इन सी-मार्ट्स के जरिए महिला स्वयं सहायता समूहों को अपने उत्पादों की मार्केटिंग, ब्रांडिंग और बिक्री के लिए एक संगठित मंच मिलेगा। इससे महिलाओं की आय बढ़ेगी और वे आत्मनिर्भर बन सकेंगी। स्थानीय स्तर पर बने उत्पादों को पहचान और बाजार मिलने से रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे।

यूपी बोर्ड परीक्षा की तैयारियां तेज उत्तर पुस्तिकाओं का वितरण पूरा

हाईस्कूल - इंटर में बदला फॉर्मेट, फाड़ने पर अनुचित साधन की कार्रवाई

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। यूपी बोर्ड की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षाओं को लेकर जिले में तैयारियां तेज कर दी गई हैं। जनपद के सभी 114 परीक्षा केंद्रों के लिए उत्तर पुस्तिकाओं का वितरण पूर्ण कर लिया गया है। इस वर्ष उत्तर पुस्तिकाओं के स्वरूप और मूल्यांकन प्रक्रिया में कई अहम बदलाव किए गए हैं, जिनका पालन करना परीक्षार्थियों के लिए अनिवार्य होगा। इस बार हाईस्कूल और इंटर-मीडिएट की 'अ' और 'ब' श्रेणी की उत्तर पुस्तिकाएं अलग-अलग रंगों की होंगी। बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि उत्तर पुस्तिका से किसी भी पृष्ठ को फाड़ना अनुचित साधन की श्रेणी में आएगा। ऐसी स्थिति में संबंधित परीक्षार्थी के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। यूपी बोर्ड ने वर्षों से चले आ रहे चौड़ाई वाले फॉर्मेट को समाप्त कर पहली बार लंबाई फॉर्मेट की उत्तर पुस्तिकाएं लागू की हैं। परीक्षार्थियों को अब इसी नए फॉर्मेट में उत्तर लिखने होंगे। उत्तर पुस्तिकाओं के डिजाइन में भी बदलाव किया गया है। प्रत्येक पृष्ठ पर विशेष कलर कोडिंग के साथ माध्यमिक शिक्षा परिषद का मोनोग्राम अंकित किया गया है, जिससे पहचान और निगरानी आसान होगी। इस वर्ष जिले में हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा में कुल 72 हजार से अधिक परीक्षार्थी शामिल होंगे।

मूल्यांकन प्रक्रिया में भी बदलाव

मूल्यांकन व्यवस्था को अधिक पारदर्शी बनाने के लिए उत्तर पुस्तिकाओं पर कक्ष निरीक्षकों के हस्ताक्षर और उनकी ड्यूटी किस कक्ष में लगी है, इसका विवरण अलग से आवंटित पृष्ठ पर दर्ज किया जाएगा। परीक्षार्थियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे उत्तर पुस्तिकाओं में केवल प्रश्नों के उत्तर ही लिखें। किसी भी प्रकार का अतिरिक्त संकेत, टिप्पणी या अनावश्यक लेखन अनुचित साधन माना जाएगा।

इनमें हाईस्कूल के 36,698 और इंटरमीडिएट के 29,731 परीक्षार्थी पंजीकृत हैं।

फास्ट न्यूज

घर में घुसकर महिला पर जानलेवा हमला

अंबेडकर नगर। सम्मनपुर थाना क्षेत्र के आदिपुर ग्राम में घर में घुसकर महिला पर जानलेवा हमले का मामला सामने आया है। पीड़िता ने गांव के ही तीन लोगों पर जबरन घर में घुसकर मारपीट करने और हत्या के प्रयास का गंभीर आरोप लगाया है। आदिपुर ग्राम निवासी रिजवाना के अनुसार, 5 फरवरी 2026 को दोपहर लगभग 1 बजे गांव के मोहम्मद तौफीक पुत्र जमील, आदिल पुत्र मोहम्मद तौफीक और शाहजहां पत्नी आदिल एक राय होकर उसके घर में घुस आए।

सीटीईटी परीक्षा शुरू, 30 केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा

अंबेडकरनगर। केंद्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा (CTET) शनिवार, 7 फरवरी को जिले के 30 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की गई। परीक्षा दो पालियों में संपन्न हुई, जिसमें कुल लगभग 25,000 परीक्षार्थी शामिल हुए। पहली पाली सुबह 9:30 बजे शुरू हुई और दोपहर 12:00 बजे समाप्त हुई। इस पाली में करीब 10,000 परीक्षार्थियों ने हिस्सा लिया। दूसरी पाली दोपहर 2:00 बजे से शाम 4:30 बजे तक चली। परीक्षा के सुचारु संचालन के लिए जिला प्रशासन ने सभी आवश्यक इंतजाम किए। सभी परीक्षा केंद्रों पर नकलर-हित परीक्षा सुनिश्चित करने के लिए सीसीटीवी कैमरों और पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की गई।

तहसीलों में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन

अम्बेडकरनगर। जनपद में शासन की मंशा के अनुरूप आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित, पारदर्शी और गुणव-त्तापूर्ण निस्तारण को सुनिश्चित करने के लिए फरवरी 2026 के प्रथम शनिवार को समस्त तहसीलों में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस दिन सभी तहसीलों में उच्च अधिकारियों की अध्यक्षता में आम जनता की शिकायतों को गंभीरता से सुना गया ।

फेयरवेल पार्टी के बाद सड़क पर स्टंट, तीन चार पहिया वाहन सीज

तमसा संकेत, संवाददाता

वायरल वीडियो पर पुलिस की कार्रवाई, नाबालिग छात्र कर रहे थे खतरनाक ड्राइविंग

अंबेडकरनगर। अकबरपुर जिला मुख्यालय में नाबालिग स्कूली छात्रों द्वारा चार पहिया वाहनों से खतरनाक स्टंट करने का मामला सामने आने के बाद पुलिस ने सख्त कार्रवाई की है। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो का संज्ञान लेते हुए पुलिस ने तीन चार पहिया वाहनों को सीज कर दिया है। घटना तमसा मार्ग स्थित एक विद्यालय में आयोजित फेयरवेल पार्टी के बाद की बताई जा रही है।

वायरल वीडियो में देखा गया कि छात्र चलती चार पहिया गाड़ियों से बाहर निकलकर गेट खोलकर खड़े हो गए और तेज रफ्तार में स्टंट करते नजर आए। कुछ छात्र वाहन की छत और दरवाजों पर खड़े होकर तमसा मार्ग से सुल्तानपुर मार्ग तक पहुंचे। इस दौरान सड़क पर चल रहे अन्य वाहनों और राहगीरों की सुरक्षा खतरे में पड़ गई।

मामले की पुष्टि करते हुए सीओ सदर नीतीश तिवारी ने बताया कि वायरल वीडियो के आधार पर कार्रवाई करते हुए तीन चार पहिया वाहनों को सीज किया गया है। पुलिस द्वारा मामले से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच की जा रही है। पुलिस नाबालिग छात्रों की पहचान करने के साथ ही वाहनों के स्वामियों की भूमिका की जांच कर रही है। साथ ही छात्रों के अभिभावकों की जिम्मेदारी को लेकर भी विधिक कार्रवाई की संभावना जताई गई है। यह घटना सार्वजनिक सड़कों पर नाबालिगों द्वारा लापरवाही से वाहन चलाने के बढ़ते मामलों को उजागर करती है।

अस्थि रोग विभाग की उपलब्धि पर मेडिकल कॉलेज में आयोजन

इमरजेंसी में 500 से अधिक ऑपरेशन पूरे

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। महामाया राजकीय एलोपैथिक मेडिकल कॉलेज सद्दरपुर के आपातकालीन विभाग में शनिवार को विशेष अवसर देखने को मिला। विगत एक वर्ष में आपातकालीन ओटी में 500 से अधिक ऑपरेशन सफलतापूर्वक पूरे होने पर अस्थि रोग विभाग की ओर से उपलब्धि का आयोजन किया गया। इस दौरान चिकित्सकों और कर्मचारियों ने केक काटकर विभाग की कार्यक्षमता और टीमवर्क का उत्सव मनाया।

मेडिकल कॉलेज प्रशासन की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, बीते एक वर्ष में आपातकालीन विभाग की ओटी में कुल 4630 ऑपरेशन किए गए। इनमें 4295 माइनर और 335 मेजर ऑपरेशन शामिल रहे। इन ऑपरेशनों में सबसे अधिक संख्या अस्थि रोग विभाग से संबंधित रही, जो जिले में बढ़ते सड़क हादसों और आकस्मिक चोटों के मामलों को दर्शाती है।

आंकड़ों के अनुसार, इमरजेंसी में किए गए ऑपरेशनों में अस्थि रोग विभाग की भूमिका सबसे अधिक रही। फ्रैक्चर, गंभीर चोट, सड़क दुर्घटना और अन्य आकस्मिक मामलों में त्वरित सर्जरी कर मरीजों को राहत दी गई। विभाग ने सीमित संसाधनों के बावजूद निरंतर सेवाएं देकर जिले के स्वास्थ्य तंत्र को मजबूती दी है।

इस अवसर पर मेडिकल कॉलेज परिसर में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानाचार्य डॉ मुकेश यादव, सह चिकित्सा अधीक्षक डॉ मुकुल सक्सेना, डॉ अमित गुप्ता, नोडल अधिकारी आपातकालीन डॉ राजेश यादव, अस्थि रोग विभागाध्यक्ष डॉ जावेद अहमद, न्यूरोसर्जन डॉ राघवेन्द्र, सहायक आचार्य अस्थि रोग डॉ विवेक श्रीवास्तव, सिस्टर इंचार्ज विजयश्री सहित अन्य चिकित्सक, नर्सिंग स्टाफ और कर्मचारी मौजूद रहे।

कार्यक्रम के दौरान प्रधानाचार्य डॉ मुकेश यादव ने अस्थि रोग विभाग और आपातकालीन टीम को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेज का उद्देश्य गंभीर अवस्था में आने वाले मरीजों को समय पर और गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराना है।

जिले में तहसीलों में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन

तमसा संकेत, संवाददाता

जनसमस्याओं के त्वरित और प्रभावी निस्तारण के लिए अधिकारीत स्तर पर निर्देश

अम्बेडकरनगर। जनपद में शासन की मंशा के अनुरूप आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण को सुनिश्चित करने के लिए फरवरी 2026 के प्रथम शनिवार को समस्त तहसीलों में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस दिन सभी तहसीलों में उच्च अधिकारियों की अध्यक्षता में आम जनता की शिकायतों को गंभीरता से सुना गया और यथासंभव मौके पर निस्तारण किया गया। तहसील जलालपुर में जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में कुल 100 शिकायतें प्राप्त हुईं। इनमें से 5 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया। शेष प्रकरणों के लिए जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को समयबद्ध और प्रभावी कार्यवाही करने के स्पष्ट निर्देश दिए।

इसी प्रकार तहसील टांडा, भीटी, अकबरपुर और आलापुर में भी उच्च अधिकारियों की उपस्थिति में समाधान दिवस आयोजित हुआ। इन चार तहसीलों में कुल 217 शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए। 23 शिकायतों का मौके पर ही समाधान किया गया, जबकि शेष प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। इस प्रकार पूरे जनपद की पांचों तहसीलों में कुल 317 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 28 शिकायतों का मौके पर समाधान किया गया।

35 नलकूप होंगे सोलर आधारित, बिजली बिल से मिलेगी राहत

सौर ऊर्जा से चलेगी पेयजल व्यवस्था

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जिला मुख्यालय स्थित नगर पालिका अकबरपुर में अब पेयजल व्यवस्था सौर ऊर्जा से संचालित होगी। इससे बिजली पर निर्भरता कम होने के साथ नगर पालिका की आर्थिक स्थिति भी मजबूत होगी। शहर में 27 हजार से अधिक घरों तक पाइप लाइन से पानी की आपूर्ति की जा रही है, जिसके लिए 11 पानी टंकियों को भरने हेतु 35 नलकूप संचालित हैं। अब इन सभी पंपों को सौर ऊर्जा से चलाने की योजना पर काम शुरू हो गया है। नगर पालिका की ओर से करीब पांच करोड़ रुपये की लागत से सौर ऊर्जा पैनल लगाए जाएंगे। शासन को भेजे गए प्रस्ताव को स्वीकृति मिलने के बाद टेंडर प्रक्रिया पूरी की जा रही है। इसके बाद सभी 35 नलकूपों पर सोलर पैनल लगाने का कार्य शुरू होगा। पंप की क्षमता के अनुसार सोलर पैनल लगाए जा रहे हैं, जिससे अधिकतम दक्षता के साथ जलापूर्ति सुनिश्चित की जा सके। खास बात यह है कि सोलर पैनल सिस्टम में बैट्री का उपयोग नहीं किया जाएगा। मोटर सीधे सूर्य की किरणों से ऊर्जा लेकर संचालित होगी। इससे रखरखाव का खर्च कम होगा और प्रणाली अधिक टिकाऊ साबित होगी। नगर पालिका क्षेत्र के 25 वार्डों में लगभग 28 हजार भवनों और दुकानों तक पानी पहुंचाने के लिए 250 किलोमीटर लंबी पाइप लाइन बिछाई गई है। हाल ही में कराई गई पानी की जांच में पीएच स्तर 6.50 से 8.50 के बीच और टीडीएस स्तर 409.50 से 500 के बीच पाया गया है। कटरिया याकूब राजकीय पुस्तकालय, शिव बाबा धाम, बाबा दामोदर दास मंदिर, बसखारी रोड निमिया, शेखपुरा काली माता मंदिर और नेहरू नगर अंबेडकर पार्क के पास दो से पांच हजार लीटर क्षमता की टंकियां लगाई गई हैं।

मार्च से शुरू होगा बड़े स्तर पर कार्य

गोविंद गणेशपुर वार्ड में एक पंप पहले ही सोलर पैनल से संचालित किया जा रहा है। विजयगांव और लारपुर स्थित पंपों पर सोलर पैनल लगाने का कार्य अंतिम चरण में है। शेष 32 पंपों पर मार्च माह से सोलर पैनल लगाने का कार्य शुरू किया जाएगा। सौर ऊर्जा प्लांट लगने के बाद शहर के अधिकांश इलाकों में निर्बाध जलापूर्ति की जाएगी।

> **अब तक बिजली गुल होने की स्थिति में जलापूर्ति बाधित हो जाती थी, जिससे जलकल विभाग को समस्याओं का सामना करना पड़ता था। सौर ऊर्जा आधारित पंप शुरू होने के बाद पानी टंकियां खाली नहीं रहेंगी। दिन-रात पानी की आपूर्ति संभव होगी, जिससे त्योहारों और गर्मी के मौसम में शहरवासियों को राहत मिलेगी।**

जायद 2026 में गन्ना किसानों को मिलेगा उर्द मूंग का निःशुल्क बीज

13 फरवरी तक कृषि दर्शन-2 पोर्टल पर कर सकते हैं आवेदन

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकर नगर। जायद 2026 में गन्ना उत्पादन करने वाले किसानों के लिए राहत भरी खबर है। राज्य सरकार की ओर से गन्ना उत्पादक किसानों को उर्द एवं मूंग के निःशुल्क बीज उपलब्ध कराए जाएंगे। इसके लिए आवेदन प्रक्रिया 5 फरवरी से शुरू हो चुकी है, जो 13 फरवरी तक चलेगी। किसान कृषि विभाग के पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। उप कृषि निदेशक अश्वनी सिंह ने बताया कि यह योजना राज्य सरकार द्वारा वित्तपोषित निःशुल्क दलहन–तिलहन बीज मिनीकिट वितरण एवं प्रचार-प्रसार कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित की जा रही है। इसका उद्देश्य गन्ने के साथ दलहनी फसलों की अंतः फसली खेती को बढ़ावा देना है, जिससे किसानों की आय में वृद्धि हो सके और भूमि की उर्वरता बनी रहे। योजना के अंतर्गत बसंतकालीन गन्ने की खेती करने वाले वे किसान, जो जायद 2026 में गन्ने की फसल के साथ उर्द या मूंग की अंतः फसल लेना चाहते हैं, आवेदन कर सकते हैं। पात्र किसानों को उर्द एवं मूंग के बीज निःशुल्क दिए जाएंगे। इससे किसानों को अतिरिक्त लागत नहीं उठानी पड़ेगी और उत्पादन भी बढ़ेगा। किसान कृषि विभाग के पोर्टल कृषि दर्शन-2 (https://agridarshan.up.gov.in) पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन वही किसान कर सकेंगे, जो पहले से कृषि विभाग में पंजीकृत हैं। प्रत्येक कृषक अधिकतम एक हेक्टेयर क्षेत्रफल के लिए ही उर्द या मूंग के निःशुल्क बीज हेतु आवेदन कर सकता है। उप कृषि निदेशक ने बताया कि प्राप्त आवेदनों के सापेक्ष निर्धारित लक्ष्य के अनुसार लाभार्थियों का चयन लाटरी प्रणाली से किया जाएगा। चयनित किसानों को निर्धारित समय पर निःशुल्क बीज का वितरण किया जाएगा। कृषि विभाग की ओर से किसानों से अपील की गई है कि वे अंतिम तिथि का इंतजार न करें और समय रहते आवेदन कर इस योजना का लाभ उठाएं। यह योजना गन्ना किसानों के लिए आय बढ़ाने और फसल विविधीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

एकल-समूह गायन और नृत्य प्रतियोगिताओं में दिखाई प्रतिभा

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय में शनिवार को ₹परंपरा-2026₹ के द्विदिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम का दूसरा दिन आयोजित किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्राचार्य अरविंद वर्मा के निर्देशन में संपन्न हुआ। इस अवसर पर महाविद्यालय की छात्राओं ने एकल गायन, समूह गायन, एकल नृत्य और समूह नृत्य प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया।

कार्यक्रम के दौरान प्राचार्य अरविंद वर्मा ने कहा कि इस प्रकार के सांस्कृतिक आयोजन मानसिक, भावनात्मक, सामाजिक और बौद्धिक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि यह न केवल किताबी ज्ञान तक सीमित रहते हुए छात्रों के व्यक्तित्व को निखारता है, बल्कि स्थानीय संस्कृति को जीवंत रखने, रचनात्मकता और टीम वर्क जैसे कौशल विकसित करने में भी मदद करता है।

एकल गायनः संगम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, आराधना द्वितीय और अंजलि भट्ट तृतीय रही।

समूह गायनः कलश, रागिनी, आराधना, आयुषी व रिया की टीम प्रथम रही, सीमा व वर्तिका की टीम द्वितीय और अंजलि भट्ट व निष्ठा मिश्रा की टीम तृतीय स्थान पर रही।

एकल नृत्यः अंजलि भट्ट ने प्रथम स्थान, शिवानी ने द्वितीय और सोनम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

समूह नृत्यः संगम, नेहा, काजल, सोनालिका व सोनाली की टीम विजेता बनी, जबकि सीमा, सोनम, वर्तिका, मुस्कान व प्रियंका की टीम उपविजेता रही।

चेतावनी : किसानों और आम जनता के लिए राहत न देने पर भाजपा सरकार पर तीखा निशाना

सपा की प्रेस वार्ता, केंद्रीय बजट पर जमकर हमला

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। अकबरपुर स्थित समाजवादी पार्टी कार्यालय में शनिवार को केंद्रीय बजट और एसआईआर (संविधान एवं सामाजिक न्याय से संबंधित मामलों) को लेकर प्रेस वार्ता आयोजित की गई। इस दौरान जिलाध्यक्ष जंगबहादुर यादव ने बजट पर भाजपा सरकार को घेरा और इसे आम जनमानस के विरोध का बजट बताया।

एसआईआर पर पूछे गए सवाल पर जंगबहादुर यादव ने राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के बयान को दोहराया। उन्होंने कहा कि संवैधानिक व्यवस्था में किसी का हनन नहीं होना चाहिए और कोई भी दोषी हो, किसी भी जाति या धर्म का हो, उसके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। जिलाध्यक्ष ने बजट पर राष्ट्रीय अध्यक्ष के बयान का हवाला देते हुए केंद्रीय मंत्री गिरीश चंद्र यादव को घेरा। उन्होंने कहा कि उनकी भाजपा सरकार में आम जनता की सुरक्षा और सम्मान के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। मंत्री गिरीश चंद्र यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि उनकी सरकार की प्रतिष्ठा इतनी कमजोर है कि आम जनता के बीच उनके दावे केवल नाम मात्र के हैं। जंगबहादुर यादव ने चेताया कि यदि केंद्र और राज्य सरकार ने बजट में आम जनता और किसानों के हितों को नजरअंदाज किया, तो समाजवादी पार्टी आगामी समय में विरोध कार्यक्रम और आंदोलन चलाएगी।

बजट पर आलोचना

जंगबहादुर यादव ने कहा कि इस बार के केंद्रीय बजट में किसानों और आम जनता के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं। उन्होंने कहा कि बजट में किसानों की आय बढ़ाने के लिए कोई योजना नहीं है और महंगे रसोई गैस, पेट्रोल व डीजल पर टैक्स में कोई कटौती नहीं की गई। इसके चलते इन वस्तुओं की कीमतें यथावत हैं। इसके अलावा राशन, दूध और रोजमर्रा के आवश्यक सामानों पर बजट में कोई राहत की घोषणा नहीं की गई, जिससे आम आदमी पर महंगाई का बोझ बना हुआ है।

प्रेस वार्ता में उठाए गए अन्य मुद्दे

जिलाध्यक्ष ने कहा कि महंगाई के इस दौर में आम जनता को राहत देने के लिए बजट में ठोस और तत्काल कदम उठाना आवश्यक था। उन्होंने कहा कि महंगाई ने किसानों, मजदूरों और छोटे व्यापारियों को सीधे प्रभावित किया है, लेकिन भाजपा सरकार की प्राथमिकता केवल बड़े उद्योग-पतियों और पूंजीपतियों तक सीमित दिखाई देती है।

विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। टांडा कोतवाली क्षेत्र के ग्राम पंचायत अजमेरी बादशाहपुर में एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत से क्षेत्र में चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। घटना बीते 7 फरवरी की रात की बताई जा रही है, जब महिला की अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद मृत्यु हो गई। मामले में मायके पक्ष ने ससुराल वालों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार अजमेरी बादशाहपुर निवासी नीतू (30) पत्नी अनूप माझी की रात करीब तीन बजे मौत हो गई। परिजन नीतू को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र टांडा लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। महिला की मौत की खबर फैलते ही इलाके में हड़कंप मच गया। मौत की जानकारी मिलने पर नीतू के मायके पक्ष के लोग भी सीएससी टांडा पहुंचे। मृतका की मां लीलावती ने ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप लगाए। उनका कहना है कि नीतू की मौत सामान्य नहीं है और उसे घर वालों ने मार डाला है। मायके पक्ष ने मामले में कार्रवाई की मांग की है। घटना की सूचना मिलने पर टांडा कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस का कहना है कि मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। कोतवाली प्रभारी दीपक सिंह रघुवंशी ने बताया कि मायके पक्ष की ओर से तहरीर मिलने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

सम्पादकीय

गड्ढों में गिरी व्यवस्था, मौतों के बाद भी नहीं चेत रहा प्रशासन

नोएडा में एक कार सवार इंजीनियर की गड्ढे में गिरने से मौत का मामला अभी शांत नहीं हुआ था कि दिल्ली में भी एक बाइक सवार युवक की गड्ढे में गिरकर मौत हो गई। यह गड्ढा दिल्ली जल बोर्ड की ओर से खोदा गया था। नोएडा की तरह दिल्ली के इस गड्ढे के पास भी न तो कोई बैरीकेडिंग थी और न ही किसी तरह का चेतावनी बोर्ड।

इसका मतलब है कि नोएडा की घटना के बाद भी उससे सटी दिल्ली में कोई सबक नहीं सीखा गया। दिल्ली की घटना पर नोएडा की तरह कुछ अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया है और मामले की जांच के आदेश भी दे दिए गए हैं। कुछ भी किया जाए, काल के गाल में समा गए युवक की जिंदगी लौटने वाली नहीं। इस युवक की मौत को हादसा कहना घटना की गंभीरता को कम करना होगा। यह हादसा नहीं, एक हत्यारी लापरवाही है। नोएडा और दिल्ली जैसी घटनाएं अपवाद नहीं हैं।

अपने देश में ऐसी घटनाएं रह-रहकर घटती ही रहती हैं। लोग सड़क किनारे खोदे गए गड्ढों या फिर टूटी सड़कों में गिरकर मरते ही रहते हैं। बहुत सी जानलेवा घटनाएं इसलिए होती हैं कि जोखिम भरे स्थान अंधेरे में डूबे होते हैं और वहां लोगों को सावधान करने वाले कोई संकेत भी नहीं होते। जब देश की राजधानी और उससे लगे क्षेत्रों में यह हाल है, तब फिर दूर-दराज के शहरों में कितनी चौकसी बरती जाती होगी, इसका अनुमान सहज ही लगाया जा सकता है।

बड़े शहरों में तो व्यवस्था के नाकारापन और संवेदनहीनता से होने वाली मौतें फिर भी चर्चा में आ जाती हैं और दिखावटी ही सही, कोई कार्रवाई भी हो जाती है, लेकिन छोटे शहरों में किसी के कान पर जूं भी नहीं रेंगती। अपने यहां सड़क, बिजली, पानी उपलब्ध कराने और मार्ग प्रकाश, यातायात आदि की देखभाल करने वाली एजेंसियों की लापरवाही के कारण प्रति वर्ष न जाने कितने लोग जान गंवाते हैं।

आम तौर पर ऐसी मौतों को दुर्घटना करार दिया जाता है और जो लोग अपने स्वजन खोते हैं, वे उसे विधि का विधान मान लेते हैं, लेकिन सच यह है कि नोएडा और दिल्ली सरीखी जानलेवा घटनाएं इसलिए होती रहती हैं, क्योंकि लोगों की मौतों के लिए जवाबदेह कर्मचारी और अधिकारी कभी कठोर दंड के भागीदार नहीं बनते। वे अधिक से अधिक निलंबित होते हैं।

सब जानते हैं कि निलंबन कोई सजा नहीं होती और बर्खास्तगी जैसी कठोर कार्रवाई कठिनाई से ही होती है। जिम्मेदार विभागों पर भारी भरकम जुर्माना भी नहीं लगाया जाता। इसी कारण कोई चेतता नहीं। नतीजा यह है कि घटिया, बेतरतीब और समय खपाऊ निर्माण होता रहता है, जो प्रायः जोखिम को निमंत्रण देता है। यह शर्मनाक स्थिति केवल विकसित भारत के नारे को मुंह ही नहीं चिढ़ाती, बल्कि शासन-प्रशासन के गड्ढों में धंसे होने को भी बयान करती है।

संसदीय हंगामा-सबके लिए आत्मचिंतन का विषय

> संसदीय इतिहास में पहली बार है कि लोकसभा स्पीकर द्वारा संसद में प्रधानमंत्री पर विपक्षी सांसदों के हमले की आशंका जताई गई है। स्पीकर ओम बिरला का यह कहना कि उन्हें सूचना मिली थी कि प्रधानमंत्री मोदी के साथ कोई अप्रत्याशित घटना घट सकती है, बहुत गंभीर बात है।

4 और 5 फरवरी को संसद में जो कुछ हुआ है, वो बहुत शर्मनाक है । ऐसा लगता है कि लगातार तीन लोकसभा चुनावों में हार के बाद विपक्ष बौखला गया है, इसलिए संसद में अराजकता पैदा करके सरकार को परेशान करना चाहता है । संसदीय लोकतंत्र में संसद चलाना सरकार की जिम्मेदारी मानी जाती है, लेकिन विपक्ष के सहयोग के बिना यह संभव नहीं है। विपक्ष पूरी जिम्मेदारी सरकार पर डालकर, संसद में अराजकता फैला रहा है। विपक्ष के हंगामे के कारण प्रधानमंत्री मोदी दूसरे दिन भी राष्ट्रपति के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई चर्चा का जवाब नहीं दे सके, जिसके कारण यह प्रस्ताव उनके जवाब के बिना ही पास कर दिया गया । 2004 के बाद भारत के संसदीय इतिहास में यह दूसरी बार हुआ है कि भारत के प्रधानमंत्री को संसद में बोलने ही नहीं दिया गया । यह संसदीय परंपरा है कि राष्ट्रपति के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर प्रधानमंत्री के जवाब के बाद ही यह प्रस्ताव पारित किया जाता है । परंपरा का टूटना संसदीय गरिमा का गिरना है और इसके बाद सत्तापक्ष और विपक्ष में कटुता पैदा होने वाली है । इस घटना के बाद विपक्ष पर इसका कोई असर होता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है । राज्यसभा में जब प्रधानमंत्री मोदी धन्यवाद प्रस्ताव पर जवाब दे रहे थे, तो विपक्षी दलों द्वारा हंगामा किया गया और इसके बाद विपक्ष ने प्रधानमंत्री के भाषण का बहिष्कार करते हुए संसद छोड़ दी । सवाल यह है कि इससे विपक्ष को क्या हासिल हुआ । जो बात प्रधानमंत्री ने लोकसभा में कहनी थी, वो बात उन्होंने राज्यसभा में कह दी । प्रधानमंत्री मोदी द्वारा लोकसभा में जवाब न देने पर विपक्ष ने कहा कि मोदी डरकर भाग गए हैं, लेकिन राज्यसभा में उनके भाषण के दौरान विपक्ष ही सदन छोड़कर भाग गया । विपक्ष को सदन में बैठकर प्रधानमंत्री के जवाब को सुनना चाहिए । इसके बाद ही विपक्ष का हक बनता है कि वो कहे कि मोदी ने उनके सवालों का जवाब नहीं दिया । इस बार सत्र की शुरूआत से ही संसद में जैसे दृश्य देखने को मिले हैं,

उससे संसद की गरिमा के गिरते स्तर का अंदाजा लगाया जा सकता है । विपक्ष की महिलाओं का प्रधानमंत्री मोदी की सीट को घेर लेना बता रहा है कि लोकसभा अध्यक्ष की आशंका पूरी तरह गलत नहीं थी। इसका दूसरा पहलू यह भी है कि उनकी बात से पीएम मोदी सहमत हो गए और संसद में नहीं आये। सवाल यह है कि ये प्रत्याशित घटना क्या हो सकती थी और इससे भारतीय संसद पर कितना बड़ा कलंक लग सकता था। जो हो नहीं हो पाया, लेकिन करने की कोशिश की गई, उसे ऐसे ही नहीं छोड़ा जा सकता। अगर किसी दुर्घटना को होने से रोक दिया जाए तो भी अपराधी को ऐसे ही नहीं छोड़ा जा सकता। लोकसभा में सबसे बड़ा नेता स्पीकर होता है और लोकसभा का पूरा प्रशासन उसके अधीन आता है । सवाल यह है कि स्पीकर महोदय ने प्रधानमंत्री को संसद में आने से क्यों रोक दिया । क्या वो इस हमले को रोकने का इंतजाम नहीं कर सकते थे । इस काम के लिए उनके पास कर्मचारी हैं, जिन्हें प्रधानमंत्री की सुरक्षा में तैनात किया जा सकता था । दूसरी बात यह है कि जिन सांसदों द्वारा पीएम मोदी पर हमले की आशंका थी, उनके खिलाफ कार्यवाही क्यों नहीं की गई । कुछ सांसदों के हमले की आशंका के कारण प्रधानमंत्री का सदन में नहीं आना, बेहर गंभीर घटना है । पीएम मोदी को रोककर लोकसभा अध्यक्ष ने अपनी कमजोरी जाहिर की है, उन्हें पीएम को रोकने की जगह, आक्रमणकारी सांसदों का इंतजाम करना चाहिए था । संसद में इतनी बड़ी साजिश करने वाले सांसद खुलेआम घूम रहे हैं, ये लोकतंत्र और संविधान के लिए सही नहीं है । प्रधानमंत्री पर हमले के लिए महिला सांसदों का इस्तेमाल बहुत सोच-समझ कर किया गया है । विशेष रूप से दलित और पिछड़े वर्ग की महिलाओं का इस्तेमाल करने की कोशिश बताती है कि साजिश बहुत गहरी थी । यह साजिश देश के प्रधानमंत्री के खिलाफ नहीं है, बल्कि देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था और संविधान के खिलाफ है । ऐसा लगता है कि विपक्ष इस देश की संवैधानिक व्यवस्था से तंग आ गया है, क्योंकि वो अब अपने लिए बेहद सीमित अवसर देख रहा है । लगातार हार के बाद कांग्रेस केन्द्र की सत्ता में आने की उम्मीद खो चुकी है । राहुल गांधी के नेतृत्व में तो वो कभी पूर्ण बहुमत के साथ केन्द्र की सत्ता में आ भी नहीं सकती, इसलिए बौखलाहट में वो कुछ भी करने को तैयार दिखाई दे रही है । ऐसा लगता है कि प्रधानमंत्री मोदी पर हमले के बाद भाजपा सांसदों की प्रतिक्रिया को देखते हुए साजिश रची गई है । साजिशकर्ता जानते थे कि अगर विपक्षी सांसदों ने मोदी पर हमला किया तो भाजपा सांसद चुपचाप तमाशा नहीं देखेंगे, बल्कि बिना देर किए जवाबी हमला कर देंगे । इस हमले के बाद दोनों पक्षों के सांसदों में भंयकर हाथापाई हो सकती थी । सदन में भाजपा सांसदों की संख्या और प्रधानमंत्री की सीट से नजदीकी होने के कारण जवाबी हमला बहुत जल्दी और बड़ा हो सकता था । साजिशकर्ताओं द्वारा इस हमले के लिए दलित और पिछड़े वर्ग की महिला सांसदों का इस्तेमाल करने के पीछे की मंशा विक्टिम कार्ड खेलना हो सकता है । अगर महिला सांसदों को चोट लगती तो विपक्ष यह विमर्श चलाता कि भाजपा दलित और पिछड़ा विरोधी है, जो सांसदों तक को पीट देती है, आम लोगों का क्या होगा । कुछ विपक्षी नेताओं का कहना है कि प्रधानमंत्री महिलाओं से डर गए और संसद में नहीं आए । उनके पास जेड प्लस सुरक्षा है, लेकिन वो महिला सांसदों से डर गए । ऐसा लगता है कि विपक्ष इस घटना की गंभीरता को समझ नहीं रहा है, लेकिन परेशानी यह है कि एनडीए सरकार भी इसे हल्के में ले रही है । यह बहुत गंभीर घटना है, लेकिन मीडिया ने भी इसे गंभीरता से नहीं लिया है । जिस साजिश के कारण प्रधानमंत्री मोदी सदन में नहीं आए, उस साजिश की गंभीरता कम कैसे हो सकती है । स्पीकर साजिश को जानते हुए भी साजिश को रोक नहीं पाए, बल्कि प्रधानमंत्री को ही रोक दिया, ये प्रशासन की नाकामी है । प्रधानमंत्री की अनुपस्थिति में उनकी सीट को घेरने वाली महिला सांसदों पर कोई कार्यवाही नहीं की गई, जबकि वो साजिश का अहम हिस्सा थीं । सवाल यह है कि क्या इन्हीं महिला सांसदों का इस्तेमाल मोदी पर हमले के लिए किया जाना था । संसद में दोनों पक्षों के बैठने की अलग-अलग व्यवस्था है, अपनी जगह से उठकर सत्ताधारी दल के हिस्से में पहुंचकर प्रधानमंत्री की सीट को घेरना क्या सामान्य घटना है । सवाल यह है कि अगर प्रधानमंत्री के आने के बाद यह घेराव किया जाता तो क्या होता । दूसरा सवाल यह है कि उनकी अनुपस्थिति में सीट घेरने की क्या जरूरत थी, ऐसा लगता है कि यह एक रिहर्सल थी ।

-राजेश कुमार पासी

सत्ता और सम्मान के इस...

विवेक रंजन श्रीवास्तव

फुटनोट की महान विभूति

> अजीब स्थिति बनती है उनकी जिन्होने कोई खेमे को अपनाया नहीं, फिर भी हर खेमे के सच में शामिल होते हैं। एक ओर उन्हें कहा जाता है कि तुम हमारे नहीं हो, दूसरी ओर यह भी स्वीकार किया जाता है कि तुम्हारी बातों में दम है। यह दम ही उनके लिए अभिशाप बन जाता है। क्योंकि दमदार तटस्थता सबसे खतरनाक होती है। वह सवाल उठाती है, बिना यह बताए कि सवाल किसके पक्ष में है।

इस देश की सार्वजनिक जीवन की सबसे दिलचस्प विशेषता यह है कि यहाँ कर्म से अधिक पहचान का मूल्य है । निष्ठा, लेबल, विचार धारा , सदाचार पर भारी हैं। जो दिखाई देता है वही माना जाता है और जो माना जाता है वही सम्मानित होता है। मंच पर बैठे चेहरे बदलते रहते हैं पर मंच के पीछे रखी कुर्सियाँ स्थायी होती हैं। कुछ लोग इन्हीं कुर्सियों की छाया में बड़े होते हैं। कुछ पूरी धूप में तपते रहते हैं और कुछ ऐसे भी होते हैं जो धूप और छाया दोनों से ईमानदारी से गुजरते हैं पर अंत में किसी भी मौसम के आधिकारिक प्रतिनिधि नहीं बन पाते। यहाँ विचारधारा कम, वेशभूषा अधिक बोलती है। अगर आपके माथे पर सही तिलक है, चाल में सही ताल है । सम्बन्ध सीधे हों या परोक्ष , सही अवसरों पर नजर है, तो आपकी योग्यता प्रमाणित मान ली जाती है। इसके विपरीत अगर आप वही काम बिना विशिष्ट परिधान के करते हैं, वही अनुशासन बिना ढोल के निभाते हैं और वही विचार बिना घोषणा के जीते हैं, तो आप संदिग्ध ठहराए जाते हैं। आपको न तो अपना कहा जाता है, न पराया। आप उपयोगी हैं पर सम्मान के लिए अनिवार्य नहीं।

सत्ता और सम्मान के इस गलियारे में सबसे ज्यादा भीड़ उन्हीं की होती है जो समय पर सही जगह खड़े हो जाते हैं। यहाँ आदर्शों की दुकान है, पर तमगे उन्हीं को मिलते हैं जिनके पास अधिकृत पहचान पत्र हो। बाकी लोग आदर्शों के साथ सोचते रह जाते हैं कि शायद अगली बार उनका नंबर आएगा। वे भूल जाते हैं कि यहाँ कतार नहीं, चयन होता है और चयन में खड़े रहने से ज्यादा जरूरी है पहचाने जाना। इस पूरे परिदृश्य में सबसे मजेदार भूमिका निरीह तटस्थों की है। वे नारे नहीं लगाते, इसलिए संदेह के घेरे में रहते हैं। वे गलत को गलत भी कहते हैं, इसलिए अविश्वसनीय माने जाते हैं। वे समर्थन करते हैं, पर अंध भक्ति नहीं । वे अपने समय की विसंगतियों को पहचानते हैं, पर तालियों के लिए नहीं, आत्मसंतोष के लिए लिखते बोलते काम करते हैं। यही उनकी सबसे बड़ी भूल है। सत्ता को शोर पसंद है, स्पष्ट पक्षधरता पसंद है। जो चुपचाप सही काम करता है, वह व्यवस्था के लिए असुविधाजनक होता है क्योंकि वह उदाहरण बन जाता है। उदाहरण व्यवस्था को डराते हैं। व्यवस्था चाहती है अनुयायी, प्रश्नचिह्न नहीं। इसलिए जो लोग बिना झंडा उठाए उसी दिशा में चलते हैं, उन्हें सबसे पहले हाशिए पर धकेल दिया जाता है। न वे विद्रोही कहलाते हैं, न समर्थक , वे बस असुविधाजनक होते हैं। यहाँ विचारधारा को अक्सर गणवेश समझ लिया जाता है। जो गणवेश में नहीं, वह या तो गुप्त शत्रु है या असमंजस में पड़ा हिस्सा मात्र । यह मान लिया जाता है कि बिना पहचान के कोई समर्पण संभव नहीं। जबकि सच्चाई यह है कि सबसे गहरा समर्पण वही होता है जो प्रचार का मोहताज नहीं होता। लेकिन इस सच्चाई की कीमत बहुत महँगी है। उसे कोई पुरस्कार नहीं मिलता, कोई नियुक्ति नहीं, कोई मंच नहीं।

इतिहास ऐसे लोगों से भरा पड़ा है जिन्होंने अपने समय में सही कहा, सही किया, पर गलत जगह खड़े रहे। वे न तो सत्ता के गीतकार बने, न विरोध के पेशेवर चेहरे। वे बीच की उस जमीन पर खड़े रहे जहाँ से दृश्य सबसे साफ दिखता है, पर वहीं सबसे ज्यादा अकेलापन भी मिलता है। उनके हिस्से में न जयकार आई, न समर्थन, बस उपेक्षा मिल पाई। ऐसे लोग सम्मान की चयन सूची के नॉमिनेशन बस बने रह जाते हैं।

जो वास्तव में उस अनुशासित, समर्पित और राष्ट्रकेंद्रित कार्यशैली को अपने जीवन में उतारते हैं, पर उसे नाम की माला नहीं पहनाते, वे अनदेखे रह जाते हैं। उन्हें वह खेमा संदेह से देखता है जिसकी वे अपने आदर्श की मूल भावना में आलोचना नहीं करते, और वह खेमा तो उनसे कतराता ही है जिसकी विसंगतियों पर वे उंगली रखते हैं। सत्यवादी होना यहाँ सबसे असुविधाजनक स्थिति है। क्योंकि सत्य किसी का स्थायी समर्थक नहीं होता। वह सबको आईना दिखाता है और आईना हर सत्ता को चुभता है। इसलिए सबसे सुरक्षित स्थान या तो पूरी तरह पक्ष में होना है या पूरी तरह विपक्ष में। बीच में खड़ा व्यक्ति इतिहास में नहीं, फुटनोट में भी जगह नहीं पाता।

इसलिए जहां...

कमलेश पांडेय

अब सामाजिक न्याय व धर्मनिरपेक्षता का झंडा बुलंद करेगी भाजपा

कभी 'मंडल' के बाद 'कमंडल' की सियासत शुरू करके राष्ट्रीय व सूबाई राजनीति में कांग्रेसियों, समाजवादियों और उनके नेतृत्व वाले गठबंधन को निपटाने वाली भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) अब केंद्र व राज्यों में 'ओबीसी नेतृत्व' के मजबूत होते ही स्वघोषित 'हिंदुत्व' के एजेंडे से भटकते हुए उसी कथित सामाजिक न्याय व सेक्युलरिज्म का झंडा बुलंद करती दिखाई दे रही है, जिसकी जनविरोधी सियासत करने वाले दल हाशिए पर चले गए!

बताया जाता है कि अपने वर्तमान नेतृत्व को चुनावी मजबूती यानी बहुमत दिलाते रहने के लिहाज से भाजपा ने भी देश की उसी घिसी पिटी सवर्ण विरोधी 'सामाजिक न्याय' और मुस्लिम परस्त 'अल्पसंख्यकवाद' की राजनीतिक पीच पर नए तरीके से शैक्षणिक बॉलिंग-बैटिंग शुरू की है, ताकि वह लोकसभा चुनाव 2024 के अप्रत्याशित परिणाम के सदमे से उबर सके। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के परिणामों ने भी उसकी हौसलाअफजाई की है!

इसलिए जहां निर्वाचित सवर्ण नेतृत्व भी रणनीतिक खामोशी दिखा रहा है, वहीं सामान्य जाति के लोग भाजपा-संघ की सुनियोजित चाल के खिलाफ सुलग रहे हैं।दरअसल, भाजपा सरकार नियंत्रित 'यूजीसी' के एक नापाक करतब से और उसे पर्दे के पीछे से शह देते हुए अमलीजामा पहनाने वाली मध्यप्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा विभाग के साल 2023 वाले समनुरूप दिशानिर्देश से और बिहार के तिलकामांझी भागलपुर विश्वविद्यालय, भागलपुर के हालिया निर्देशों से यह स्पष्ट प्रतीत होता है कि हिंदूहित चिंतक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और उनका सियासी मुखौटा समझी जाने

वाली भाजपा के ओबीसी-दलित रणनीतिकार और मातहत अधिकारी सत्ता मद में इतने नेता मदांध हो चुके हैं कि इस मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा लगाए हुए रोक की भी उन्हें परवाह नहीं है।

मसलन ऐसा करके अपने ही पुराने नारों और मुद्दों को दरकिनार करते हुए देश व समाज को तोड़ने वाले दलित, पिछड़ा व अल्पसंख्यक विमर्श को पुनः हवा देने लगी है, जबकि समग्र हिन्दू हित में जातिवादी और पूंजीवादी सोच-समझ के सम्पूर्ण उन्मूलन की दिशा में उसे सधे हुए रणनीतिक कदम बढ़ाने चाहिए। ऐसे में भारतीय समाज का इंजन समझे जाने वाले सवर्णों की सामाजिक व राष्ट्रीय दुविधा बढ़ेगी, जिससे देर सबेर 'हिंदुत्व' का गतिशील विचार रथ भी थमेगा और दुनियावी चक्रब्यूह संरचना संकट में फंसेगा। ततपश्चात भाजपा की सरकारें भी लुढ़क कर किस सियासी गड्ढे में जा फंसेगी, इसकी शायद कल्पना उन्होंने भी नहीं की होगी।

ऐसे अदूरदर्शी रणनीतिकारों को पता होना चाहिए कि भारत की सियासत में धुर सवर्ण विरोधी एजेंडा अपनाने वाले दल हाशिए पर सिमटकर देशद्रोही सियासत की ओर उन्मुख हो गए।

जवाबदेही के दायरे में आएं टेक कंपनियां, बेरहम है डिजिटल दुनिया

सुबह की पहली किरण के साथ जब हम अपने स्मार्टफोन का स्क्रीन अनलॉक करते हैं, तो हम केवल एक उपकरण नहीं खोलते, बल्कि एक ऐसी दुनिया में प्रवेश करते हैं, जो कभी सोती नहीं है। यह डिजिटल दुनिया जितनी चमकदार है, उतनी ही बेरहम भी। आज हमारे जीवन का एक बड़ा हिस्सा डिजिटल मीडिया के गलियारों में बीत रहा है।

हमारी पहचान, रिश्ते और समाज में प्रतिष्ठा अब हमारे पदचिह्नों यानी डिजिटल फुटप्रिंट्स से तय होती है, पर समस्या तब शुरू होती है जब ये पदचिह्न हमारी वर्तमान पहचान के लिए बोझ बन जाते हैं। कल्पना कीजिए एक ऐसे युवक की, जिस पर दस साल पहले एक छोटा आरोप लगा था। अदालत ने उसे ससम्मान बरी कर दिया, लेकिन आज जब कोई कंपनी उसे नौकरी देने के लिए उसका नाम गूगल करती है, तो सबसे ऊपर वही पुरानी गिरफ्तारी की खबर चमकती है। यही वह बिंदु है जहां राइट टू बी फॉरगाटेन यानी भुला दिए जाने का अधिकार विलासिता नहीं, बल्कि जीने के अधिकार का हिस्सा बन जाता है।

डिजिटल मीडिया का दुरुपयोग आज एक महामारी की तरह फैल चुका है। फेक न्यूज, ट्रोलिंग और साइबरबुलिंग ने वर्चुअल स्पेस को एक युद्ध का मैदान बना दिया है। सबसे भयावह रूप तब सामने आता है, जब किसी की निजी जानकारी या तस्वीरें उसकी मर्जी के बिना सार्वजनिक कर दी जाती हैं। इसे डॉक्सिंग कहा जाता है। यह केवल तकनीक का गलत इस्तेमाल नहीं है, बल्कि यह एक इंसान की गरिमा पर सीधा हमला है। जब कोई अपमानजनक सामग्री एक बार वायरल हो जाती है, तो उसे पूरी तरह मिटाना लगभग असंभव हो जाता है। डिजिटल दुनिया में कुछ भी स्थायी रूप से मरता नहीं है, वह बस दबा रहता है और समय-समय पर बाहर आता रहता है। यहीं पर राइट टू बी फॉरगाटेन की अवधारणा उम्मीद की किरण है। व्यक्ति को यह अधिकार होना चाहिए कि वह अपने पुराने, अप्रासंगिक या गलत डिजिटल रिकॉर्ड्स को हटवा सके।

- राजीव शुक्ला

जरा हटके

ऐसी-ऐसी वजहें ...

डॉ.रमेश ठाकुर

नवांकुर पीढ़ी को गेमिंग की लत से छुड़वाने की चुनौती?

पिछले ही सप्ताह भोपाल की छत्रसाल कॉलोनी के एक व्यवसायी के 8वीं क्लास में पढ़ने वाले इकलौते बेटे ने गेमिंग में फंसकर आत्महत्या की थी। घटना चर्चाओं में थी कि वैसा ही एक और मामला गाजियाबाद में घट गया। सिलसिलेवार तरीके से इस तरीके के केस रोजाना प्रकाश में आ ही रहे हैं। बीते 24 महीनों में करीब 180 घटनाएं देशभर में रिपोर्ट की गई हैं। एनसीआरबी के आंकड़ों में जिस हिसाब से 5 सालों में उछाल आया है वह निश्चित रूप से रोंगटे खड़े करता है। कौनसी तरकीब अपनाई जाए, जिससे बच्चें फिर से गेमिंग के चुंगल से निकलकर अपने पारंपरिक देशी किस्म के खेलकूदों की ओर मुड जाएं। दरअसल, ऐसी जरूरत गाजियाबाद में तीन बहनों के सुसाइड के बाद और ज्यादा महसूस होने लगी है। क्यों मॉडर्न बच्चे मैदानी खेलों को छोड़कर मोबाइल गेमिंग जैसी आफतों में घुसते जा रहे हैं। ऐसे सवालों का उत्तर बिना देर किए सामुहिक स्तर पर समाज के प्रत्येक वर्गों को खोजना चाहिए। टीनएजर्स में गेमिंग की लत जानलेवा बीमारी जैसी हो गई है जिसका ताजातरीन उदाहरण सामने है। कोरियन गेमिंग की आड़ में गाजियाबाद की तीन सगी नाबालिग बहनों ने 'लवर गेम टास्क' में खुद

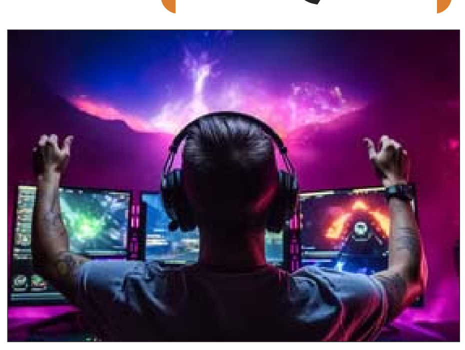

को फंसाकर मौत को गले लगाना पड़ा। उनके सुसाइड की खबर समाज में आग की तरह फैली हुई हैं। दरअसल तीनों बहनों ने मौत को जिस अंदाज से अपनाया उसने अभिभावकों को सबसे ज्यादा झकझोरा है। मृतकों ने अपने पिता के नाम चिट्ठी लिखकर मौत की वजह भी बताई। आठ पन्नों के सुसाइट में उन्होंने अपनी अधूरी चाहत की पूरी दास्तां को विस्तार से लिखा। ऐसी-ऐसी वजहें लिखीं, जिन्हें पढ़-सुनकर समाज सोचने पर विवश हुआ है। घटना की शुरूआती पड़तालें बताती हैं कि गेंम की गिरफत में तीनों बहनें ऐसी जकड़ी कि निकल ही नहीं पाई, निकलने की तमाम नाकाम कोशिशें जरूर की? लेकिन दलदल में इतनी फंस चुकी थी, वहां से निकला उनके लिए नामुकिन हो गया। अंत में तीनों ने नौवीं मंजिल से छलांग लगाकर अपनी जीवन लीला को समाप्त करना ही मुनासिब समझा।

परीक्षा जीवन का संजीवन

हमारा जीवन एक परीक्षा है । यह जीवन एक ऐसी यात्रा हैं जिसमें हर कदम पर नई चुनौतियाँ और अवसर सामने आते हैं। इसे एक परीक्षा के रूप में देखा जा सकता हैं । वह जहाँ हर परिस्थिति हमारी क्षमताओं,धैर्य और दृढ़ संकल्प आदि की जाँच करती है। यह परीक्षा न तो किसी पाठ्यपुस्तक तक सीमित है और न ही इसके कोई निश्चित अंक हैं। यह एक अनवरत प्रक्रिया है । हमें जो सीखने, बढ़ने और स्वयं को बेहतर बनाने आदि का अवसर प्रदान करती है। हम बचपन में आकस्मिक परीक्षा का नाम सुनते ही घबरा जाते थे इसलिए हडबड़ाहट में फैल हो जाते थे । वह जैसा की हमको प्राध्यापक महोदय ने प्रश्नपत्र थमा दिया जिसमें सिर्फ़ एक काला बिन्दु शायद सभी विद्यार्थी की तरह हम भी अपनी शक्ति उस बिन्दु के उत्तर को खोजने में लगा रहे थे । वह जबकि 99% ख़ाली सफ़ेद पेपर पर ध्यान नहीं देते थे । वह हम आज इस बात पर गहराई से सोचे तो यह सफ़ेद पेपर और कुछ नही हमारी ज़िंदगी हैं। वह छोटा सा काला बिन्दु जो ज़िंदगी की समस्या का एक छोटा सा हिस्सा होती हैं लेकिन हम अपना पूरा ध्यान इसी पर लगा देते हैं। इस जीवन में दर्द आना भी बहुत जरूरी है।नहीं तो इंसान अपने आपको इंसान नहीं अँहकार से हैवान बन सकता है।भगवान भी संतुलन बनाए रखने के लिए हर इंसान को उसके कर्मों के अनुसार दुःख दर्द देता है।उस समय इंसान की परीक्षा होती है कि वो उसे किस रूप में लेता है। हम अगर अपने से नीचे वाले आदमी को देखेंगे तो हमको हमारा दर्द कम महसूस होगा और अपने से ऊपर वाले व्यक्ति से तुलना करेंगे तो हमारा दुःख बहुत बड़ा लगेगा। जीवन में कभी-कभी ऐसी परिस्थिति आती है कि चारों और अन्धकार नज़र आता है।कंहि कोई आशा की किरण नज़र नहीं आती हैं । उस समय कौन किसका साथ देता है और कौन मुँह फेरता है उसकी पहचान भी होती है। उस समय हमको अगर कोई आकर कंधे पर हाथ रखकर यह बात कहता है।तुम क्यों चिंता करते हो,में हुँ ना।उस दुखी इंसान को लगता है कि धरती पर साक्षात कोई भगवान आया है।मेरी डूबती नया को बचा रहा है। वह आज जब भी जीवन में दुःख आए उस समय सिर पकड़ कर मत बैठो।शांति से उसका समाधान सोचो।मन में यही सोचें कि जब हम पैदा हुए तो हम रोए और जाएँगे तो दुनियाँ या घर वाले रोएँगे।इंसान के जन्म से लेकर मृत्यु तक दर्द का रिश्ता रहता है। वह फिर दुःख क्यों करूँ। वह देखा जाए तो हर समस्या का समधान हैं । आत्म विश्वास से बड़ा कोई दुनियां मैं विश्वास नहीँ होता हैं । वह मनोबल के अभाव से बड़ा कोई त्रास नहीं होता हैं । हमारे अपने अंदर अनंत शक्तियों का निरंतर श्रोत बह रहा है ।

› प्रदीप छाजेड़

अपर्णा बोलीं- यह ठीक नहीं ■ शहाबुद्दीन ने कहा- फिल्म पर बैन लगे

'घूसखोर पंडत' के खिलाफ ब्राह्मणों का अर्धनग्न प्रदर्शन

विरोध

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर । यूपी में मनोज बाजपेयी की फिल्म 'घूसखोर पंडत' के नाम को लेकर विरोध जारी है। आगरा में ब्राह्मण समाज के लोगों ने अर्धनग्न होकर प्रदर्शन किया और शंखनाद किया। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि ब्राह्मणों का अपमान बंद होना चाहिए। उनकी सामाजिक और धार्मिक भावनाओं को बार-बार आहत किया जाता है।

भाजपा नेता अपर्णा यादव ने कहा कि इस तरह की असंवेदनशील बातें कहना या लिखना, वह भी एक ऐसे समाज के बारे में, जिसने पूरी दुनिया में सनातन संस्कृति को जीवित रखा है, ठीक नहीं है। बरेली के मौलाना शहाबुद्दीन रजवी ने फिल्म पर प्रतिबंध लगाने की मांग की।

वहीं, विदेश राज्यमंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने कहा-फिल्म में ब्राह्मण समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का घृणित प्रयास किया गया है। जातिसूचक और आपत्तिजनक भाषा व चित्रण निंदनीय है और यह सामाजिक ताने-बाने के साथ खिलवाड़ है। इससे पहले गुरुवार को लखनऊ में सीएम के निर्देश पर फिल्म के डायरेक्टर के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने केंद्र से मामले में दखल देने की अपील की थी। बाद में सरकार ने OTT प्लेटफॉर्म से इस टाइटल को हटाने का निर्देश दिया था। विरोध के बीच डायरेक्टर नीरज पांडेय ने भी सभी प्लेटफॉर्म से फिल्म के प्रमोशनल मटेरियल हटाने का फैसला किया था।

कानपुर में पोस्टर-बैनर लेकर निकले ब्राह्मण समाज के लोग, नारेबाजी की

कानपुर में अखिल भारतीय सर्व ब्राह्मण महासभा ने घूसखोर पंडत फिल्म को लेकर मार्च निकाला। इस दौरान हाथों में बैनर और पोस्टर लेकर प्रदर्शन किया। करीब 100 से अधिक सदस्य जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे। जहां उन्होंने ज्ञापन सौंपा। साथ ही फिल्म को नेटफ्लिक्स पर पूरी तरह से बैन करने की मांग की।

■ कानपुर में अखिल भारतीय सर्व ब्राह्मण महासभा ने फिल्म के विरोध में मार्च निकाला।

आगरा में ब्राह्मण समाज ने शंखनाद किया, बोले- अपमान बर्दाश्त नहीं

घूसखोर पंडित' फिल्म के विरोध में ब्राह्मण समाज के लोगों ने अर्धनग्न होकर प्रदर्शन किया। शनिवार को सिकंदरा क्षेत्र परशुराम चौक पर शंखनाद किया। बोले- फिल्म पर रोक नहीं लगी तो सड़कों पर उतर उग्रप्रदर्शन किया जाएगा। ब्राह्मणों का अपमान बंद हो। सामाजिक और धार्मिक भावनाओं को हर बार आहत किया जाता है। अब नहीं सहेंगे।

वार्षिकोत्सव और प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज, (बाराबंकी)। पीएम श्री राजकीय इंटर कालेज सूरतगंज के प्रांगण में शनिवार को वार्षिकोत्सव और प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। बच्चों ने विभिन्न रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत कर अभिभावकों और गणमान्यों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि जिला निरीक्षक ओपी त्रिपाठी ने कहा कि देश की तकदीर बच्चों के नन्हें हाथों में ही समाहित है। इसलिए बदलते दौर के अनुसार बच्चों को उच्च तकनीकी युक्त ज्ञान देने की आवश्यकता है। ताकि बच्चे बड़े होकर देश व समाज का नाम रोशन कर सकें। उन्होंने कहा कि एक शिक्षित व्यक्ति ही समाज के विकास में अपनी अहम भूमिका निभा सकता है। उन्होंने अपना उद्धबोधन का अंत शायर से कि हम वो पत्ते नहीं जो आंधियों में टूट जाए करते हुए बच्चों को मजबूत और अटल रहने की प्रेरणा दी। ब्लाक प्रमुख लकी ने कहा कि तेजी से बदलते दौर के अनुसार शिक्षा जगत में भी काफी बदलाव आ रहे हैं। आज उसी के अनुसार बच्चों को शिक्षित करने का प्रयास किया जा रहा है। प्रधानाचार्य अरविंद सिंह ने कहा कि शिक्षा एक ऐसी ज्योति है, जिसके प्रकाश से पूरा विश्व चमक उठता है। जिला निरीक्षक और प्रधानाचार्य ने जिला स्तरीय मिशन पहचान परीक्षा में प्रथम रही छात्रा नैना वर्मा और द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली दिव्यानी मिश्रा के साथ विद्यालय स्तरीय खेलों में प्रतिभाग करने वाले प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान हासिल करने वाले करीब 250 छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। प्रधानाचार्य ने अतिथियों को अंगवस्त्र और स्मृति चिंह देकर सम्मानित किया।

फास्ट न्यूज

स्क्रैप कारोबारी का शव रखकर परिजनों ने जाम लगाया

मेरठ । नौचंदी थाना क्षेत्र के जैदीफार्म में हुई असलम की हत्या से परिजनों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। शनिवार को पोस्टमॉर्टम के बाद असलम का शव जैसे ही घर पहुंचा, उन्होंने उसे सड़क पर रखकर जाम लगा दिया। देखते ही देखते भारी संख्या में लोग एकत्र हो गए। जाम की सूचना से पुलिस में हड़कंप मच गया। कई थानों की फोर्स मौके पर पहुंच गई। परिजन अफसरों को मौके पर बुलाने पर अड़े हैं।

होंठ पर लिपस्टिक, हाथ पर लिखा सनी

आगरा । आगरा में यमुना एक्सप्रेस-वे पर शुक्रवार को करीब 25 वर्षीय युवती की निर्मम हत्या कर शव फेंक दिया गया। गला दबाने के बाद शव को कंबल में लपेटा गया था। कंबल पर को काला टेप लगाकर पैक कर दिया।

एक्सप्रेस वे के किनारे पर बनी नाली में डालकर आरोपी भाग गए। पुलिस ने इस ब्लाइंड केस को खोलने के लिए 4 टीमें लगाई हैं। अभी मृतका की शिनाख्त नहीं हुई है। पुलिस को कुछ अहम सुराग मिले हैं। शुक्रवार दोपहर 3:30 बजे बकरी चराने पहुंचे ग्रामीणों ने यमुना एक्सप्रेस-वे के माइल स्टोन 148 के पास ग्राम सौरई के समीप नाली में कंबल पड़ा देखा।

नायक पवन कुमार का इंफाल में निधन

मेरठ । मेरठ के इंचोली थाना क्षेत्र के ग्राम बना के रहने वाले नायक पवन कुमार (21 असम राइफल्स) का शुक्रवार को निधन हो गया। इम्फाल बॉर्डर पर परेड के दौरान उन्हें अचानक दिल का दौरा पड़ा था। देश सेवा में समर्पित नायक का पार्थिव शरीर शनिवार सुबह उनके पैतृक गांव पहुंचा। जैसे ही सेना के जवान तिरंगे में लिपटे पार्थिव शरीर को वाहन से लेकर उतरे, पूरा माहौल 'भारत माता की जय' और 'पवन कुमार अमर रहे' के नारों से गूंज उठा।

बहराइच पुलिस ने अभियान के तहत 8 वारण्टी अभियुक्त किए गिरफ्तार

तमसा संकेत, संवाददाता

बहराइच। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जनपद बहराइच में चलाए जा रहे वांछित एवं वारण्टी अभियुक्तों की गिरफ्तारी अभियान के क्रम में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। जनपद के विभिन्न थानों की पुलिस टीमों ने कार्रवाई करते हुए कुल 8 वारण्टी अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। थाना मोतीपुर पुलिस द्वारा चार वारण्टी अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों में रिजवान अहमद निवासी जरही रोड, भस्सू निवासी मक्कापुरवा, महतो निवासी मेढ़किया पौण्डा तथा शहजाद निवासी दर्जिनपुरवा शामिल हैं। अभियुक्तों के विरुद्ध मारपीट, छेड़छाड़, पोक्सो एक्ट समेत विभिन्न धाराओं में मुकदमे दर्ज थे और ये लंबे समय से फरार चल रहे थे। वहीं थाना पयागपुर पुलिस ने दो वारण्टी अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। इनमें चांद अली निवासी सहसरावा खजुरार, जिनके विरुद्ध सड़क दुर्घटना से संबंधित गंभीर धाराओं में मामला दर्ज है, तथा ओमप्रकाश निवासी रानीपुर तिलक शामिल हैं। इसके अलावा थाना नवाबगंज पुलिस द्वारा दो वारण्टी अभियुक्त नन्द किशोर और मुंशीलाल, निवासी मंडहवा, को गिरफ्तार किया गया। दोनों अभियुक्तों के खिलाफ बलवा, मारपीट, धमकी और घर में घुसपैठ जैसी धाराओं में मुकदमा पंजीकृत था। पुलिस ने सभी गिरफ्तार अभियुक्तों को विधिक कार्रवाई करते हुए न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि अपराधियों के विरुद्ध यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

केएम विश्वविद्यालय के कुलाधिपति ने विद्यार्थियों को दी संस्कारों की सीख

केएम विश्वविद्यालय के सैकड़ों छात्र-छात्राओं संग कुलाधिपति ने देखी फिल्म गोदान

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। केएम विश्वविद्यालय के कुलाधिपति किशन चौधरी ने रूपम टॉकीज, मथुरा में के.एम. विश्वविद्यालय में अध्ययनरत सैकड़ों छात्र-छात्रों के साथ 'गोदान' फिल्म देखी। इस विशेष आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल शैक्षणिक रूप से ही नहीं, बल्कि सांस्कृतिक एवं नैतिक रूप से भी सशक्त बनाना रहा। फिल्म से छात्र-छात्राओं को सनातन धर्म में गौ माता के महत्व, सेवा, संरक्षण तथा भारतीय संस्कृति के मूल्यों की गहन जानकारी प्राप्त हुई। फिल्म के माध्यम से विद्यार्थियों को सामाजिक उत्तरदायित्व, करुणा, सेवा भावना एवं राष्ट्रप्रेम का संदेश दिया गया।

फिल्म अवलोकन के बाद कुलाधिपति किशन चौधरी ने कहा कि शिक्षा के साथ संस्कारों का विकास भी उतना ही आवश्यक है। युवा पीढ़ी को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जोड़कर ही एक सशक्त राष्ट्र का निर्माण संभव है। उन्होंने छात्रों से नैतिक मूल्यों को अपनाने और समाज सेवा में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। इस आयोजन से विद्यार्थियों में सकारात्मक सोच और सामाजिक चेतना का विकास हुआ। केएम विश्वविद्यालय में कार्यरत डीन-प्रोफेसरों सहित स्थानीय नागरिकों एवं शिक्षकों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे युवाओं को सही दिशा देने वाला प्रयास बताया। यह कदम शिक्षा, संस्कृति और राष्ट्रबोध को जोड़ने की दिशा में एक सराहनीय पहल माना जा रहा है।

विवि के कुलसचिव ने बताया गोदान फिल्म एक भावनात्मक यात्रा है, जो गाय के महत्व और उसके सांस्कृतिक, वैज्ञानिक और सामाजिक पहलुओं को दर्शाती है। फिल्म की कहानी एक नायक और उसकी बछिया के बीच के अटूट रिश्ते को दिखाती है, जिसमें कोई स्वार्थ नहीं, सिर्फ प्यार है। यह फिल्म सिर्फ एक मनोरंजन फिल्म नहीं है, बल्कि यह भारतीय संस्कृति और गो संरक्षण का संदेश देने वाली है। केएम विश्वविद्यालय में अध्ययनरत एमबीबीएस और सभी संकायों के छात्र व केएम विश्वविद्यालय के सभी सदस्य इस फिल्म का अवलोकन कर रहे है।

यद्यपि दिशा निर्देशों के तद विभागीय अधिकारी की कार्यशैली पर चर्चा

तमसा संकेत, संवाददाता

बाराबंकी । लोधेश्वर महादेवा में चल रहे फाल्गुनी मेले मे जिलाधिकारी के तमाम दिशा निर्देशों के बावजूद विभागीय अधिकारी खरे नहीं साबित हो पा रहे हैं। शिव भक्तों में सच्चाई कुछ अलग ही बयां हो रही है , निश्चिय एक बड़ा सवाल ! देखा जा सकता कि लोधौरा चौराहे से मेला मैदान जाने वाले मार्ग पर भारी कीचड़ जल भराव है जिस पर प्रशासन का ध्यान नहीं जा सका। जबकि गौर करने की बात जिलाधिकारी ने शुक्रवार को मेला निरीक्षण के दौरान कीचड़ जल भराव की समस्या को तत्काल दूर करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिये थे। मेलार्थी कहते हैं , मेला मैदान में वहां पर खड़ा मोबाइल टॉयलेट भी गंदा और बिना पानी के खड़ा है । स्वच्छता नहीं ! अस्थाई शौचालय में चारों तरफ से जल भराव गंदगी है शौचालय का पानी बाहर मैदान में फैला हुआ है जिससे दुकानदारों के साथ कांवरियों को काफी दुश्वारियों का सामना करना पड़ रहा है । अंतता कांवरिया खुले में शौच करने को विवश हैं। स्वच्छ पेयजल के लिए बोरिंग कराई गई लेकिन मशीन अभी तक नहीं बंधी है जिससे लोगों को स्वच्छ पानी नहीं मिल रहा है। स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति के लिए जनपद के विभिन्न नगरपंचायत क्षेत्र से लाये गये टैंकर भी मेला क्षेत्र में खाली पड़े हैं। खैर ! पुलिस चौकी के पूरब दिशा में बना रैनबसेरा भी जीर्ण शीर्ण पड़ा है। सूत्र बता रहें कि जिलाधिकारी ने अधिकारियों को रंग रोगन और मरम्मत के निर्देश दिये थे। एक और चर्चा कि लोक निर्माण विभाग की ओर से शुक्रवार की रात को बनाई गई मानक विहीन सड़क दूसरे दिन ही उखड़ने लगी है ।

राजकीय इंटर कॉलेज धगेटा बलदेव में धूमधाम से सम्पन्न वार्षिक उत्सव

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। राजकीय इंटर कॉलेज धगेटा, बलदेव मथुरा में विद्यालय का वार्षिक उत्सव हर्षोल्लास, गरिमा एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं वंदना के साथ किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. अखिलेश यादव ने की। मुख्य अतिथि के रूप में एस.पी. सिंह, स्काउट मुख्य आयुक्त डॉक्टर कमल कौशिक उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों मे कविता सक्सेना (स्काउट कमिश्नर), निखिल अग्रवाल (प्रधानाचार्य), मनवीर सिंह (प्रधानाचार्य), वीरेंद्र उपाध्याय, विनोद कुमार शुक्ला, शिवाजी (प्रधानाचार्य), जितेंद्र कुमार मिश्रा (प्रधानाचार्य) के साथ ही माध्यमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष संजय पचौरी की गरिमामयी उपस्थिति रही। मुख्य अतिथि एस.पी. सिंह ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को अनुशासन, सेवा, राष्ट्रभक्ति एवं स्काउट-गाइड आंदोलन के आदर्शों को अपनाने की प्रेरणा दी। वहीं कविता सक्सेना ने शिक्षकों की भूमिका एवं विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर अपने विचार व्यक्त किए।

विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. अखिलेश यादव ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि वार्षिक उत्सव विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभाओं को अभिव्यक्त करने का सशक्त माध्यम है।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा प्रस्तुत भव्य एवं रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम रहे। देशभक्ति गीत, लोकनृत्य, समूहगान एवं नाट्य प्रस्तुतियों ने उपस्थित दर्शकों को भावविभोर कर दिया।

'घुसखोर पंडत रिलीज हुई तो सिनेमा घर फूंके जाएंगे'

कानपुर । 'घूसखोर पंडत' वेब सिरीज को लेकर विरोध बढ़ता जा रहा है। कानपुर पहुंचे हरिद्वार जूना अखाड़ा के महामंडलेश्वर स्वामी यतींद्रानंद गिरी महाराज ने भी इस वेब सिरीज का विरोध किया है। उन्होंने कहा कि इसके निर्माता और एक्टर जहां भी जाएं उन्हें जूतों की माला से स्वागत करना चाहिए।

इतना ही नहीं यह भी कहा कि किसी भी सूरत में इस वेब-सिरीज इसको रिलीज नहीं होने देंगे, अगर हमको सिनेमाघरों में आग लगानी पड़ी तो आग लगाएंगे। इसके अभिनेताओं को दौड़ा-दौड़ा कर पीटेंगे। इसके साथ ही उन्होंने अन्य मामलों में भी अपनी बात रखी।

स्वामी यतींद्रानंद गिरी महाराज ने कहाह- देश का दुर्भाग्य है, ये बॉलीवुड नाम की संस्था जो पहले नौटंकियां करते थे। जबसे ये बनी है, अंडवर्ल्ड का इसमें पैसा रहता है। ये लोग निरंतर सनातन धर्म की खिल्ली और मजाक उड़ाते और अपमान करते हैं।

एमआईईटी स्कूल में विद्यार्थियों के लिए आशीर्वाद समारोह आयोजित

तमसा संकेत, संवाददाता

मेरठ। एमआईईटी पब्लिक स्कूल, जागृति विहार के प्रांगण में कक्षा 12 के विद्यार्थियों के लिए विदाई के अवसर पर आशीर्वाद समारोह का भव्य एवं गरिमामय आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के चेयरमैन विष्णु शरण एवं प्रधानाचार्या डॉ. सिल्की वर्मा द्वारा किया गया।

समारोह के दौरान विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए वैदिक यज्ञ का आयोजन किया गया। इसके साथ ही विद्यार्थियों के उत्साहवर्धन हेतु बैलून बस्टिंग, म्यूजिकल चेयर, रैंप वॉक एवं अंताक्षरी जैसे विभिन्न मनोरंजक एवं रचनात्मक खेलों का आयोजन हुआ, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

इस अवसर पर प्रधानाचार्या डॉ. सिल्की वर्मा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में धैर्य, संतुलन और जिज्ञासा ही सफलता की वास्तविक कुंजी हैं। उन्होंने छात्रों को लक्ष्य के प्रति निरंतर प्रयासरत रहने और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

वहीं, विद्यालय के चेयरमैन विष्णु शरण ने अपने संबोधन में कहा कि कक्षा 12 विद्यार्थियों के जीवन का एक महत्वपूर्ण और निर्णायक पड़ाव होता है। अनुशासन, समर्पण और परिश्रम के साथ अर्जित शिक्षा ही जीवन की सही दिशा तय करती है। उन्होंने विद्यार्थियों को आत्मविश्वास के साथ भविष्य की चुनौतियों का सामना करने का संदेश दिया।

समारोह के समापन पर विद्यार्थियों को स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। साथ ही शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं अन्य विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को विशेष पुरस्कार प्रदान कर उनका उत्साह-वर्धन किया गया।

बहराइच जिले में एक के बाद एक घटनाओं से मचा हड़कंप

एसपी की सख़्त कार्रवाई ने पुलिस महकमे में हिला दी कुर्सियां

लापरवाही

तमसा संकेत, संवाददाता

बहराइच । बहराइच जिले में इन दिनों लगातार सामने आ रही आपराधिक घटनाओं और उनके खुलासे में नाकामी को लेकर पुलिस महकमे पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे थे। चोरी, हत्या, जघन्य वारदातों और सनसनी-खेज मामलों के बावजूद एसओजी टीम के हाथ खाली रहने की शिकायतें लगातार उच्चाधिकारियों तक पहुंच रही थीं। इन्हीं शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक राम नयन सिंह ने बड़ी और कड़ी कार्रवाई करते हुए पूरी एसओजी टीम को भंग कर दिया।

शिकायत मिलने के बाद एसपी के निर्देश पर मामले की गहन जांच कराई गई, जिसमें एसओजी टीम की कार्यप्रणाली, लापरवाही और अनुशासनहीनता सामने आई। जांच रिपोर्ट में आरोप सही पाए जाने पर एसपी ने बिना देर किए एसओजी प्रभारी इंस्पेक्टर मनोज यादव समेत कुल 10 पुलिसकर्मियों को तत्काल प्रभाव से लाइन हाजिर कर दिया।

इस अचानक हुई कार्रवाई से पूरे पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। एसपी राम नयन सिंह ने साफ शब्दों में कहा कि अपराध नियंत्रण में लापरवाही और अनुशासनहीनता किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह कार्रवाई सिर्फ शुरुआत है और विभागीय जांच की प्रक्रिया आगे भी जारी रहेगी।

एसओजी जैसी अहम इकाई पर गिरी इस गाज को जिले की कानून-व्यवस्था सुधारने की दिशा में बड़ा संदेश माना जा रहा है। वहीं पुलिस विभाग के अंदर इस कार्रवाई को लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म है और माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में और भी सख़्त कदम उठाए जा सकते हैं। बहराइच जिले में चल रही घटनाओं के बीच एसपी की यह कार्रवाई साफ संकेत देती है कि अब जवाबदेही तय होगी और लापरवाही पर सीधी कार्रवाई की जाएगी।

घटना : एटा में 100 की स्पीड से पेड़ से टकराकर 15 फीट दूर गिरी, दरवाजा तोड़कर निकाले गए

बेकाबू कार पलटी, मामा-भांजे समेत 3 की मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

एटा । एटा में 100 की स्पीड में कार पेड़ से टकराकर पलट गई। तीन बार पलटी खाई, फिर सड़क से 15 फुट दूर गड्ढे में जा गिरी। हादसे में मामा-भांजे और एक युवती की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

चीख-पुकार सुनकर राहगीर मौके पर दौड़े पहुंचे। उन्होंने आनन-फानन में कार का दरवाजा तोड़कर सभी घायलों को बाहर निकाला। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई और घायलों को मेडिकल कॉलेज भिजवाया गया।

घटना से जुड़े वीडियो भी सामने आए हैं, जिनमें एक किशोर जमीन पर तड़पता हुआ दिखाई दे रहा है। कार सवार सभी लोग गुरुग्राम से मैनपुरी एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए जा रहे थे।

हरियाणा नंबर की यह कार प्राइवेट कैब बताई जा रही है।

पुलिस ने मृतकों के परिजन को सूचना दे दी है। मृतकों की पहचान मैनपुरी निवासी शिवम यादव (21), उनके मामा सुमित यादव (23) और गांव की रहने वाली मनकी (19) के रूप में हुई है। वहीं, मैनपुरी के ही रहने वाले राहुल (28) और खुशबू (22) घायल हैं। हादसा सुबह करीब साढ़े 8 बजे जिला मुख्यालय से 18 किलोमीटर दूर मलावन थाना क्षेत्र में हुआ। परिजन हरिओम यादव ने बताया- मरने वाले दोनों लड़के हमारे ही परिवार के थे। दोनों दिल्ली में प्राइवेट जॉब करते थे। कार में जो दो और लड़कियां थीं, वो भी हमारे गांव की ही हैं। हमारा उनके परिवार से घरेलू संबंध है।

स्पीड और मोड़ के चलते पलटी कार

मलावन थाना प्रभारी आरके सिंह ने बताया कि शुरुआती जांच में सामने आया है कि हादसे के वक्त कार की रफ्तार काफी तेज थी। बावली नहर के पास खतरनाक मोड़ होने के कारण चालक कार से नियंत्रण खो बैठा। इसके चलते कार सड़क से नीचे उतरकर पेड़ से टकराने के बाद पलट गई।

■ दो घायलों को वीरांगना अवंतीबाई मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है।

15 मिनट तक कार में तपड़ते रहे लोग

प्रत्यक्षदर्शी शिव कुमार ने बताया, "मैं अपने गांव सकीट जा रहा था, तभी अचानक कार बेकाबू होकर पलट गई। इसके बाद मैंने चिल्लाकर स्थानीय लोगों को बुलाया। फिर कार में फंसे लोगों को निकालने की कोशिश की, लेकिन कार अंदर से लॉक थी। इसके बाद दरवाजा तोड़कर लोगों को बाहर निकाला गया। इसमें 10 से 15 मिनट लग गए, लेकिन तब तक तीन लोगों की मौत हो चुकी थी। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस एंबुलेंस के साथ मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को वीरांगना अवंतीबाई मेडिकल कॉलेज भिजवाया।"

कंटेनर ने रौंदा, बस से उतरकर सड़क किनारे खड़े थ, चेहरे कुचले, स्वेटर से पहचान

मथुरा में एक्सप्रेस-वे पर 6 की मौत

दुर्घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा। मथुरा में यमुना एक्सप्रेस-वे पर स्लीपर बस से उतरकर खड़े यात्रियों को तेज रफ्तार कंटेनर ने रौंद दिया। हादसे में 6 की मौके पर मौत हो गई। एक गंभीर घायल है। घटना शनिवार तड़के 2.45 बजे की है। जानकारी के मुताबिक, बस दिल्ली के नागलोई से कानपुर देहात के रसूलाबाद जा रही थी। रास्ते में कुछ यात्रियों ने ड्राइवर को बाथरूम के लिए बस रोकने को कहा। ड्राइवर ने ग्रीन जोन की बजाय रास्ते में बस रोक दी। कुछ यात्री बस से उतरकर नीचे खड़े हो गए, तभी पीछे से आ रहे कंटेनर ने पहले बस को टक्कर मारी। फिर यात्रियों को रौंद दिया।

कंटेनर का चालक मौके से फरार हो गया। हादसे के बाद चीख-पुकार मच गई।

हाईवे पर लाशें बिछ गईं। कुछ यात्रियों के चहेरे बुरी तरह कुचल गए। इससे उन्हें पहचानना मुश्किल हो गया। परिजनों ने स्वेटर-कपड़ों से उनकी पहचान की। मौके पर लंबा जाम लग गया। राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने एंबुलेंस से घायलों को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। शवों को

पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया।

इस बीच CM योगी ने हादसे का संज्ञान लिया। पीड़ित परिवारों को ढांढस बंधाया। हिम्मत रखने की अपील की। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को तुरंत मौके पर पहुंचने और राहत कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया। हादसा सुरीर थाना क्षेत्र में माइल स्टोन-88 के पास हुआ। मृतक संतोष के बेटे अभिनय ने बताया कि रात 10 बजे पापा से बातचीत हुई थी। उन्होंने बताया था कि वह लोग बस में बैठ गए हैं। अपने पैतृक गांव मैनपुरी के लिए जा रहे हैं। फिर अचानक से सुबह करीब 3 बजे मम्मी का कॉल आया कि पापा का एक्सीडेंट हो गया है। उनकी मृत्यु हो गई है। अभिनय ने बताया कि वह दो भाई हैं। पापा दिल्ली में रहकर मसाले के सेल्समैन का कार्य करते थे।

बेटी के जन्मदिन पर घर जा रहे प्रमोद की मौत, भाई बोला- हादसे से पहले फोन किया था

मृतक प्रमोद के छोटे भाई अंशु कुमार ने बताया- वह अपने भाई के साथ दिल्ली के नागलोई में प्लंबर का काम करते थे। आज प्रमोद की बेटी का जन्मदिन था। इसी के चलते प्रमोद अपने घर बड़ा गांव फिरोजाबाद आ रहे थे। तभी रास्ते में यह घटना हो गई। प्रमोद ने मौत से पहले मुझे कॉल कर हादसे की जानकारी दी थी।

मृतक अनुराग का चेहरा बुरी तरह से कुचला, भाई बोला- स्वेटर से पहचान की

मृतक अनुराग के भाई अनिल गुप्ता ने बताया- मेरे नंबर पर सुबह करीब 7 बजे पुलिस की कॉल आई थी। फोन करने वाले शख्स ने बताया- यमुना एक्सप्रेसवे पर हादसा हो गया है। जिसमें अनुराग की मौत हो चुकी है। उसकी लाश पोस्टमार्टम हाउस पर है। सूचना मिलते ही परिजन को लेकर मैं पोस्टमार्टम हाउस पहुंचा। वहां पर देखा तो भाई का चेहरा बुरी तरह से कुचला हुआ था। स्वेटर से उसकी पहचान की। वह दिल्ली में प्राइवेट जॉब करता था। आज घर आ रहा था।

एक्सप्रेस-वे हादसे के घायलों के बेहतर इलाज के निर्देश

जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने यमुना एक्सप्रेस-वे पर हुई दुखद सड़क दुर्घटना के बाद जिला अस्पताल में भर्ती 1 घायल यात्री का हालचाल जाना। उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को निर्देश दिए कि घायल यात्री को हर सुविधा उपलब्ध कराई जाए।

असलम कन्नौज | **पुष्पांक** औरैया | **संतोष सिंह** दिल्ली
प्रमोद फिरोजाबाद | **अनुराग गुप्ता** औरैया | **देवेश सिंह** बस्ती

> उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मथुरा जिले में हुए सड़क हादसे का संज्ञान लिया है। मुख्यमंत्री योगी ने पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को तुरंत मौके पर पहुंचने और राहत कार्यों में तेज़ी लाने का निर्देश दिया है।

फास्ट न्यूज

दहेज के लिए युवती की हत्या

प्रयागराज । प्रयागराज में शुक्रवार को मऊआइमा में नहर पुलिया के पास मिली युवती की लाश की पहचान हो गई है। प्रतापगढ़ में हत्या करने के बाद शव छिपाने के लिए 17 किमी दूर मऊआइमा में फेंका गया था। पुलिस ने मृतका के ससुर और जेठ को गिरफ्तार कर लिया है। परिजनों की तहरीर पर दहेज हत्या सहित अन्य गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। मृतका के भाई ने कहा-जेठ और ससुर ने मिसकर मेरी बहन को मारा डाला है।

फुटवियर की दुकान में 9 लाख की चोरी

आगरा । आगरा के थाना नई की मंडी क्षेत्र में फुटवियर की दुकान में छत तोड़कर गल्ले से 9 लाख रुपए चोरी करने की घटना का पुलिस ने खुलासा किया है। चोरी करने वाले चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 6,57,500 रुपये नगद, घटना में प्रयुक्त दो मोटरसाइकिल और एक लोहे का सब्बल बरामद किया है। एक आरोपी फरार है। दुकान में काम करने वाले व्यक्ति ने ही चोरी की साजिश रची थी।

आरोपियों के कब्जे से 6,57,500 रुपये नगद, घटना में प्रयुक्त दो मोटरसाइकिल और एक लोहे का सब्बल बरामद किया है।

आईफोन देकर एग्स निकलवाने वाली 4 महिलाएं पकड़ी गईं

प्रयागराज। प्रयागराज में नाबालिग लड़कियों के ओवा एक्सट्रैक्शन यानी अंडाणु (एग्स) निकालकर बेचने के मामले में बड़ा एक्शन हुआ है। पुलिस ने रैकेट में शामिल 4 महिलाओं समेत 5 को हिसरात में लिया है। इसमें मां-बेटी, आईवीएफ की एजेंट, महिला और बेटा शामिल है।

इन पर आरोप है कि इन्होंने एक नाबालिग लड़की को अपने जाल में फंसाया।

कुर्सी विधानसभा क्षेत्र में केंद्रीय बजट पर चर्चा व समरसता भोज का आयोजन

जनकल्याणकारी योजनाओं की सराहना

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। कुर्सी विधानसभा क्षेत्र के भटपुरवा गांव में शनिवार को केंद्रीय बजट पर चर्चा एवं समरसता भोज कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन भूमि विकास बैंक फतेहपुर के चेयरमैन विपुल बैसवार द्वारा किया गया, जिन्होंने कार्यक्रम में पधारे सभी अतिथियों का गर्मजोशी से स्वागत एवं अभिनंदन किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, ग्राम प्रधान, भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य केंद्र सरकार के हालिया बजट की विशेषताओं को जन-जन तक पहुंचाना और सामाजिक समरसता को मजबूत करना रहा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष राजरानी रावत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश निरंतर विकास की राह पर आगे बढ़ रहा है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के पदभार ग्रहण करने के बाद से देश में विकास की गंगा बह रही है। केंद्र सरकार द्वारा आवास योजना, आयुष्मान भारत योजना, पेंशन योजना, सामूहिक विवाह योजना सहित सैकड़ों जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिनका सीधा लाभ गरीब, वंचित और जरूरतमंद वर्ग को मिल रहा है। उन्होंने बताया कि छात्रों को स्कूलों में स्मार्टफोन उपलब्ध कराए जा रहे हैं और जिले में चार से अधिक प्रमुख योजनाएं प्रभावी रूप से लागू की गई हैं। कुर्सी विधानसभा क्षेत्र सहित पूरे जिले में विकास कार्य तेजी से आगे बढ़ रहे हैं, जिससे आम जनता को सुविधाएं मिल रही हैं। विधायक साकेंद्र प्रताप वर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकार ने अनेक जनहितकारी योजनाएं लागू कर देश और प्रदेश को मजबूत बनाने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी जैसे कठिन समय में भी सरकार ने गांवों के विकास को रुकने नहीं दिया।

हरदोई में बेकाबू डंपर ने रौंदा, सड़क पर बिखरीं लाशें

सीटीईटी एग्जाम देने जा रहे भाई-बहन और मौसी की मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई । हरदोई में बेकाबू तेज रफ्तार डंपर ने सामने से तीन लोगों को रौंद दिया। भाई-बहन और मौसी की मौके पर मौत हो गई। उनकी लाशें सड़क पर बिखर गईं। युवक हेलमेट लगाए हुए था, फिर भी उसकी जान नहीं बची।

टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक सवार 5 फीट तक उछलकर सड़क पर गिर गए। सिर पर चोट आने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। बाइक डंपर में फंस गई और कुछ दूर तक घिसटती चली गई।

हादसा शनिवार को सुरसा थानाक्षेत्र में हुआ। युवक बहन को CTET की परीक्षा दिलाने जा रहा था। परिजन के अनुसार, युवक के

> थाना प्रभारी सुरसा सुनील कुमार मिश्रा ने बताया-डंपर की टक्कर से बाइक सवार एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हुई है। डंपर को कब्जे में ले लिया गया है। चालक की तलाश की जा रही है। मामले की जांच की जा रही है और कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

चचेरे भाई की कल बरीक्षा थी। उसमें शामिल होने के लिए मौसी आई हुई थीं।

परिजनों के अनुसार, सुबह भाई-बहन जाने लगे तो मौसी ने कहा कि हमें भी घर छोड़ देना। इसके बाद वह भी बाइक पर बैठ गईं। हादसे के बाद ड्राइवर डंपर छोड़कर फरार हो गया। मृतकों की पहचान मधु अवस्थी (23), उनके भाई आदर्श (20) और मौसी कामिनी के रूप में हुई। मृतक आदर्श के पिता अरविंद अवस्थी ने बताया- खेती-बाड़ी कर परिवार का पालन-पोषण करते हैं। छोटा बेटा आदर्श दिल्ली की एक फैक्ट्री में काम करता था।

टक्कर से भाई का सिर फटा, बाइक पटरी से टकराई

शनिवार को सीटेट की परीक्षा थी। फतियापुर गांव निवासी मधु अवस्थी (23) परीक्षा देने हरदोई जा रही थीं। उन्हें परीक्षा केंद्र तक छोड़ने के लिए छोटा भाई आदर्श अवस्थी (20) बाइक से निकला। बाइक पर उनकी मौसी कामिनी पांडेय (40) भी सवार थीं। आदर्श पहले मौसी को उनके ससुराल बावन चुंगी छोड़ने वाला था। इसके बाद बहन मधु को परीक्षा केंद्र पहुंचाने की योजना थी। तीनों एक ही बाइक (UP 30 CA 5328) से हरदोई शहर की ओर जा रहे थे। सुबह 8:15 बजे ढोलिया चौराहा के नजदीक सामने से आ रहे डंपर (UP 30 CT 6385) ने बाइक को सीधी टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक 5 मीटर तक घिसटती हुई सड़क किनारे पटरी से जा टकराई।

हेलमेट पहने होने के बावजूद आदर्श के सिर में गंभीर चोट आई। उसका सिर फट गया।

आगरा-नोएडा एक्सप्रेसवे पर दौड़ने वाले भारी वाहनों के परमिट की वैधता की जांच की जाए

मण्डल आयुक्त एवं डीआईजी ने की समीक्षा बैठक दिए निर्देश

> जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने निर्देश दिए कि समस्त अवैध कट को बंद करे, फेसिंग को दुरुस्त करे, लाइटिंग व्यवस्था बढ़ाए तथा पी0आर0वी0 की गस्त बढ़ाए।

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा । यमुना एक्सप्रेसवे पर सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के संबंध में मण्डलायुक्त नगेन्द्र प्रताप और पुलिस उप महानिरीक्षक शैलेश कुमार पाण्डेय द्वारा मांट टोल प्लाजा पर यमुना एक्प्रेसवे अथॉरिटी और मथुरा जिला प्रशासन के

अधिकारियों की बैठक ली गयी। बैठक में जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व डॉ0 पंकज कुमार वर्मा, एस0पी0 यातायात मनोज कुमार, क्षेत्राधिकारी मांट संदीप सिंह सहित यमुना एक्सप्रेसवे अथॉरिटी के अधिकारी मौजूद रहे।

यमुना एक्प्रेसवे पर होने वाले सड़क दुर्घटनाओं के कारणों की समीक्षा के दौरान मण्डल आयुक्त महोदय द्वारा निर्देश दिए

> बैठक में अवगत कराया गया कि एक्प्रसवे के किनारे बने फूड हब प्वाइंट पर भारी वाहनों के ज्यादा सख्या में खड़े होने की समुचित जगह उपलब्ध नहीं है। जिसपर मंडलायुक्त जी ने निर्देश दिए गये कि एक्सप्रेसवे के किनारे स्थान चिन्हित करते हुए बस-ट्रक ले बाए बनाये जाए एवं उन्हें पीपीपी मोड पर संचालन कराये जाने की व्यवस्था बनायी जाए।

गए कि आगरा-नोएडा एक्प्रेसवे पर दौड़ने वाले भारी वाहनों के परमिट की वैधता की जांच की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन वाहनों का परमिट नहीं है, उन वाहनों को एक्सप्रेसवे से गुजरने की अनुमति नहीं दी जाए। साथ ही टोल पर स्कैनर और वाहन परमिट डाटाबेस संबंधित सॉफ्टवेयर इन्सटाल किया जाए, जिससे कोई बिना परमिट वाला वाहन टोल से गुजरे तो सॉफ्टवेयर पर अलर्ट अलार्म आ जाए, ताकि उस पर एक्शन लिया जा सके। एक्सप्रेस-वे के एंट्री और एग्जिट प्वाइंट पर गाइडलाइंस व हेल्पलाइन नंबर का विवरण लिखे तथा बड़े साइनेज बोर्ड लगाएं जाएं।

आवारा पशुओं को पकड़ा जाए

एक्सप्रेस-वे पर घूमने वाले आवारा पशुओं को पकड़ने हेतु कैटर कैचर वाहनों का लगातार मूवमेंट करते हुए आवारा पशुओं को पकड़ा जाए। एक्सप्रेस-वे के किनारे लगे तार फेंसिंग की पूरी जांच कर ली जाए। कटी - टूटी फेंसिंग को दुरुस्त किया जाए। पूरे यमुना एक्सप्रेसवे को सीसीटीवी कैमरे से आच्छादित किए जाने के निर्देश दिए। पुलिस उप महानिरीक्षक ने यमुना एक्सप्रेसवे अथॉरिटी द्वारा की जाने वाली प्रवर्तन कार्यवाही की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि ओवरलोड और ओवरस्पीड वाहनों के विरुद्ध जुर्माना सहित कड़ी कार्रवाई की जाए। इमरजेंसी एग्जिट प्वाइंट को क्रियाशील बनाया जाए। डबल डैकर/स्लीपर बसें मानकों के अनुसार हों, मानकों के विपरीत चलने वाली बसों के विरुद्ध प्रवर्तन की कार्यवाही अमल में लायी जाए। आवश्यकता पड़ने पर पुलिस विभाग से समन्वय कर आपेक्षित कड़ी कार्यवाही की जाए।

मासिक बैठक का हुआ आयोजन विस्तार से चर्चा

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। भारतीय किसान यूनियन (अराजनीतिक) की ब्लॉक इकाई सूरतगंज की मासिक पंचायत बैठक शनिवार को समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सूरतगंज परिसर में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता ब्लॉक अध्यक्ष विजय कुमार वर्मा ने की, जबकि संचालन का दायित्व ब्लॉक महामंत्री बाबूराम वर्मा ने निभाया। प्रमुख समस्याओं में गांवों में नाली निर्माण व साफ-सफाई का अभाव, जन्म प्रमाण पत्र व मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने में हो रही कठिनाइयाँ, गांवों में पड़े हुए इंडिया मार्का हैंडपंपों की मरम्मत, प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ पात्र लोगों को न मिलना, तथा लघु सिंचाई के अंतर्गत बोरिंग कार्य समय से न होना शामिल रहे। ब्लॉक अध्यक्ष विजय कुमार वर्मा ने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि उपरोक्त समस्याओं

का शीघ्र समाधान नहीं किया गया, तो भारतीय किसान यूनियन (अराजनीतिक) द्वारा ब्लॉक सूरतगंज में जोरदार आंदोलन किया जाएगा, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी संबंधित विभागों की होगी। बैठक में संगठन की मजबूती पर भी बल दिया गया तथा किसानों व ग्रामीणों को एकजुट रहने का आह्वान किया गया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से ब्लॉक उपाध्यक्ष योगेश कुमार मौर्य, महिला ब्लॉक अध्यक्ष सीता, ब्लॉक महासचिव आनंद कुमार वर्मा, न्याय पंचायत अध्यक्ष देशराज वर्मा, ग्राम अध्यक्ष दीपू वर्मा, देवी दयाल राजपूत सहित बड़ी संख्या में किसान, पदाधिकारी व ग्रामीण उपस्थित रहे।

पृष्ठ 01 का शेष...

चीन की उड़ेगी ...

30 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था वाला देश अमेरिका दुनिया का सबसे बड़ा खरीदार देश है। भारत ने पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में सबसे अधिक अमेरिका में 86 अरब डॉलर का निर्यात किया था। अमेरिका से 40 अरब डॉलर का आयात किया गया था। इसलिए अमेरिका का बाजार भारत के लिए काफी अहम है।

इस मौके पर वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने एक बार फिर से दोहराया कि समझौते में कृषि व डेयरी सेक्टर को पूरी तरह से सुरक्षित रखा गया है और किसी भी ऐसे आइटम को शामिल नहीं किया गया है जिससे देश के किसान और छोटे उद्यमियों का कोई नुकसान हो।

गोयल ने बताया कि अब 44 अरब डॉलर मूल्य के भारतीय निर्यात पर अमेरिका के बाजार में कोई शुल्क नहीं लगेगा। इनमें स्मार्टफोन, जेनेरिक दवा, जेम्स व डायमंड, एयरक्राफ्ट्स के पाट्र्स समेत कई कृषि व बेकरी आइटम है। 30 अरब डॉलर के निर्यात पर 18 प्रतिशत शुल्क लगेगा और बाकी के 12 अरब डॉलर के निर्यात जिनमें स्टील, एल्युमीनियम, विभिन्न पाट्र्स जैसे आइटम शामिल है, पर 50 प्रतिशत का शुल्क है, पर इन आइटम पर दुनिया के सभी देशों के लिए अमेरिका ने 50 प्रतिशत का शुल्क लगा रखा है।

हिमंता तुम 2 रुपए...

वोट देने बांग्लादेश चले जाएं। आप क्या करना चाहते हैं।

ओवैसी तेलंगाना में नगर निगम चुनावों से पहले शुक्रवार रात को एक रैली संबोधित कर रहे थे। हैदराबाद सांसद ने पाकिस्तान के टीम इंडिया से मैच के बायकॉट, एमएम नरवण की अनपब्लिश किताब, पीएम के राज्यसभा में दिए भाषण पर भी बात रखी।

पाकिस्तान के टीम इंडिया से मैच के बायकॉट ओवैसी ने कहा कि भारत T20 वर्ल्ड कप की मेजबानी कर रहा है। वह बेकार पाकिस्तानी टीम कहती है कि वे भारत के खिलाफ मैच नहीं खेलेंगे। इसपर ये सरकार चुप बैठी है।

उन्होंने कहा कि ये (सराकर) क्यों नहीं कहती कि नहीं खेलना है तो यहां क्यों आते हो। ये चुपचाप बैठे सुन रहे हैं। इसपर नहीं बोलेंगे, चीन के मामले पर भी खामोश हो जाते हैं।

भारत में मुसलमानों की आबादी कभी भी हिंदू आबादी से ज्यादा नहीं होगी।

BJP और RSS को जवाब देना चाहिए। चीनी सैनिकों को पीछे धकेलने और हमला करने का आदेश देने की हिम्मत क्यों नहीं दिखाई गई।

PM ने कहा कि हमारे देश की आबादी जवान है। काश कोई खड़ा होकर देश PM से पूछता, अगर देश की 60% आबादी 40 साल से कम उम्र की है, तो आपने उनके लिए रोजगार के क्या मौके बनाए हैं। आपने इन लोगों को कौन सी स्किल्स सिखाई हैं ?

आरएसएस को पावर ...

हमने कहा कि हम सभी धर्मों का सम्मान करते हैं, क्योंकि हम हिंदू हैं। इस्लाम, ईसाई धर्म अभी भी भारत में मौजूद हैं। झड़पें होती हैं, लेकिन देश एकजुट रहा है। हिंदू भाव को भुला देना भी बंटवारे का कारण बना।

RSS के 100 साल पूरे होने पर मुंबई में आयोजित दो दिन के कार्यक्रम में बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान भी मौजूद रहे। वे फिल्ममेकर सुभाष घई और गीतकार प्रसून जोशी के साथ भागवत का भाषण ध्यान से सुनते नजर आए।

हिंदुत्व अपनाने से किसी को कुछ भी छोड़ना नहीं पड़ता। न आपकी पूजा-पद्धति बदलती है, न भाषा, न रहन-सहन। हिंदुत्व का मतलब है सुरक्षा और साथ-साथ रहने का भरोसा। यह किसी एक धर्म को थोपने की बात नहीं करता।

लोगों की आस्था, खाने-पीने की आदतें और भाषा अलग हो सकती हैं, लेकिन हम सब एक ही समाज, संस्कृति और देश का हिस्सा हैं। इसी सोच को हिंदुत्व कहा जाता है, आप इसे भारतीयता कह सकते हैं। इसलिए हिंदू-मुस्लिम एकता कहावत सही नहीं है, क्योंकि हम पहले से ही एक हैं। 1925 में RSS बनने से पहले अंग्रेजों ने इंडियन नेशनल कांग्रेस (INC) को अपने सेफ्टी वाल्व के रूप में (सुरक्षा) बनाया था। लेकिन बाद में भारतीयों ने उसी कांग्रेस को आजादी की लड़ाई का मजबूत हथियार बना दिया।

मलेशिया पहुंचे मोदी ...

मोदी ने कहा- पिछले साल मैं आसियान शिखर सम्मेलन के लिए मलेशिया नहीं आ सका था, लेकिन मैंने अपने दोस्त से वादा किया था कि मैं जल्द मलेशिया आऊंगा। आज मैं अपना वादा निभाने आया हूं। साल 2026 में यह मेरी पहली विदेश यात्रा है।

भारतीय पीएम ने कहा कि यह जानकर खुशी होती है कि प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम को महान अभिनेता और नेता एमजीआर के तमिल गीत बहुत पसंद हैं।

पीएम मोदी ने मलेशिया में भारतीय सांस्कृतिक केंद्र का नाम नेताजी सुभाष चंद्र बोस के नाम पर रखा। उन्होंने ऐलान किया कि कुआलालंपुर में मौजूद इंडियन कल्चरल सेंटर को अब नेताजी सुभाष चंद्र बोष इंडियन कल्चरल सेंटर (NSCBICC) कहा जाएगा।

मोदी ने कहा कि दुनिया भारत को सिर्फ एक बड़ा बाजार मानती थी, लेकिन अब भारत निवेश और व्यापार का एक बड़ा केंद्र बन चुका है। आज भारत को विकास के लिए एक भरोसेमंद साझेदार के रूप में देखा जाता है। चाहे ब्रिटेन हो, UAE, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, ओमान, यूरोपीय संघ (EU) या अमेरिका, कई देशों ने भारत के साथ व्यापार समझौते किए हैं।

भारतीयों ने रोटी चनाई ...

मोदी ने कहा मैंने सुना है कि मलेशिया में भारतीय संगीत और फिल्में काफी लोकप्रिय हैं। प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम बहुत अच्छा गाते हैं, लेकिन भारत में बहुत से लोगों को यह बात पहले नहीं पता थी। उनके पिछले भारत दौरे के दौरान जब उन्होंने एक पुराना हिंदी गीत गाया, तो उसके वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गए।

सूरजकुंड मेले में...

पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा- झूला क्षेत्र में एक दुर्भाग्यपूर्ण हादसा हुआ। पूरे मामले की जांच के आदेश दे दिए हैं। सभी घायलों को बेहतर इलाज उपलब्ध करवाया जा रहा है। 39वां इंटरनेशनल सूरजकुंड क्राफ्ट मेला 31 जनवरी को शुरू हुआ था, इसका उद्घाटन उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने किया। यह मेला 15 फरवरी तक चलेगा। इसमें भारत के 30 राज्यों के लगभग 1150 कलाकार हिस्सा ले रहे हैं। साथ ही 46 देशों के कलाकार भी पहुंचे हैं।

प्रसव के बाद महिला...

उन्होंने अस्पताल के बाहर शव रखकर लापरवाही का आरोप लगाते हुए प्रदर्शन किया। मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। क्लिनिक की भूमिका और उपचार से जुड़ी परिस्थितियों की जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद क्षेत्र में चर्चा का माहौल बना हुआ है।

मंत्री-शाह ने कर्नल...

भारतीय सेना के प्रति मेरे मन में सदैव सम्मान रहा है और रहेगा।

सार्वजनिक जीवन में रहते हुए ऐसे शब्दों की मर्यादा, संवेदनशीलता अत्यंत आवश्यक है। इस घटना से मैंने आत्ममंथन किया है। सबक लिया है। जिम्मेदारी मानता हूं। भविष्य में वाणी पर नियंत्रण रहेगा। ऐसी गलती दोबारा नहीं होगी। एक बार पुनः उस मामले में आप सभी नागरिकों से, भारतीय सेना से, सब लोगों से अंतःकरण से माफी मांगता हूं।

11 मई को इंदौर के महू के रायकुंडा गांव में आयोजित कार्यक्रम में मंत्री विजय शाह संबोधित कर रहे थे। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर कहा था- 'उन्होंने (आतंकियों ने) कपड़े उतार-उतार कर हमारे हिंदुओं को मारा और मोदी जी ने उनकी बहन को उनकी ऐसी की तैसी करने उनके घर भेजा।'

शाह ने आगे कहा- 'अब मोदी जी कपड़े तो उतार नहीं सकते।

प्रैक्टिस मैच में चोटिल हुए थे, सिराज की 556 दिन बाद वापसी, कल अमेरिका से पहला मुकाबला

हर्षित राणा टी-20 वर्ल्ड कप से बाहर

चोटिल

मुंबई, एजेंसी

तेज गेंदबाज हर्षित राणा टी-20 वर्ल्ड कप 2026 से बाहर हो गए हैं। उन्हें 4 फरवरी को नवी मुंबई में साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेले गए वॉर्म-अप मैच के दौरान घुटने में चोट लगी थी। चोट के बाद डॉक्टर से सलाह और स्कैन कराने पर BCCI की मेडिकल टीम ने उन्हें टूर्नामेंट के लिए अनफिट घोषित कर दिया। हर्षित की जगह पेसर मोहम्मद सिराज को टीम में शामिल किया गया है। सिराज की 556 दिन बाद भारतीय टीम में वापसी हुई है। उन्होंने अपना आखिरी टी-20 मैच 30 जुलाई 2024 को श्रीलंका के खिलाफ खेला था। भारत और श्रीलंका में खेले जा रहे इस टूर्नामेंट की शुरुआत 7 फरवरी से हो रही है। डिफेंडिंग चैंपियन इंडिया अपना पहला मुकाबला शनिवार को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में USA के खिलाफ खेलेगी।

हर्षित राणा साउथ अफ्रीका के खिलाफ अभ्यास मैच में चोटिल हो गए थे।

> 24 साल के दिल्ली के हर्षित राणा ने वॉर्म-अप मैच में साउथ अफ्रीका के खिलाफ सिर्फ एक ओवर डाला था, जिसमें 16 रन दिए। इसके बाद वे मैदान से बाहर चले गए। बल्लेबाजी में भी उन्हें सिर्फ एक गेंद खेलने का मौका मिला।

9 मैच में 9 विकेट ले चुके

हर्षित अब तक भारत के लिए 9 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके हैं। इन मैचों में उन्होंने 57 रन बनाए और 9 विकेट लिए। इस बीच, स्पिन ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर की फिटनेस को लेकर भी संदेह बना हुआ है, भारत की मुश्किलें बढ़ी हैं।

टी-20 वर्ल्ड कप के लिए भारतीय टीम

सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), तिलक वर्मा, हार्दिक पांड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल (उपकप्तान), रिंकू सिंह, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती, वॉशिंगटन सुंदर, मोहम्मद सिराज। वॉर्म-अप मुकाबले में भारत ने साउथ अफ्रीका को 30 रन से हराया था। इस मैच में ईशान किशन ने 20 गेंदों में 53 रन की पारी खेली थी। DY पाटिल स्टेडियम में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट खोकर 240 रन बनाए। जवाब में साउथ अफ्रीकी टीम 7 विकेट गंवाकर 210 रन ही बना सकी।

साउथ अफ्रीका के खिलाफ चोटिल होने के बाद हर्षित राणा मैदान से बाहर चले गए थे।

शाहीन अफरीदी ने पकड़ा अच्छा कैच पर वाहवाही लूट ले गए बाबर आजम

पाक क्रिकेटर्स की सोशल मीडिया पर हो रही तारीफ

नई दिल्ली। सोशल मीडिया पर अधिकांश आपने देखा होगा कि यूजर्स ने पाकिस्तान टीम की फील्डिंग का जमकर मजाक उड़ाया। मगर बाबर आजम और शाहीन अफरीदी की जोड़ी ने शनिवार को इस छवि को बदलने का काम किया। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के उद्घाटन मुकाबले में बाबर आजम और शाहीन अफरीदी की जोड़ी ने शानदार रिले कैच पूरा किया, जिसके कारण पाकिस्तान की फील्डिंग की सोशल मीडिया पर जमकर तारीफ हो रही है। जी हां, पाकिस्तान और नीदरलैंड्स के बीच कोलंबो में खेले गए मुकाबले के दौरान ऐसा देखने को मिला।

सिंहलिस स्पोर्ट्स क्लब पर नीदरलैंड्स की पारी के चौथे ओवर में ओपनर माइकल लेविट ने मोहम्मद नवाज की गेंद पर हवाई शॉट खेला। ओवर की यह दूसरी गेंद थी और लगा कि गेंद सीमा रेखा के पार जाएगी। मगर बाउंड्री लाइन पर मुस्तैद बाबर आजम ने गेंद लपकी और हवा में उछलकर गेंद को अंदर की तरफ थ्रो किया। मिड ऑन से दौड़कर आ रहे शाहीन अफरीदी ने आसानी से कैच लपका। इस तरह पाकिस्तान को दिन की दूसरी सफलता मिली। यह कैच बेशक शाहीन अफरीदी के खाते में जुड़ा, लेकिन वाहवाही बाबर आजम लूट ले गए। बाबर आजम और शाहीन अफरीदी ने बेहतरीन तालमेल दिखाते हुए कैच जरूर पूरा किया, लेकिन कई फैंस के मन में सवाल उठा कि यह वाकई कानूनी कैच था? 2025 राइजिंग स्टार्स एशिया कप के दौरान भारतीय फील्डर्स नेहल वाधेरा और नमन धीर ने पाकिस्तान शाहीन्स के माज सदाकट का इसी तरह रिले कैच लपका था।

मां के आंसू छलके, बोलीं- बेटे पर नाज, आखिरी ओवर में स्कोर 400 पार पहुंचाया, लास्ट विकेट लिया

यू-19 वर्ल्ड-कप में जीत पर कनिष्क के घर जश्न

> 16 दिसंबर को 2025 को अबू धाबी में हुई आईपीएल-2026 की मिनी ऑक्शन में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने 30 लाख रुपए के बेस प्राइस पर कनिष्क चौहान को खरीदा है। कनिष्क दाएं हाथ के बल्लेबाज व ऑफ-ब्रेक स्पिन गेंदबाज हैं। वे इस बार के आईपीएल में आरसीबी की ओर से खेलने वाले हैं।

तमसा संकेत, एजेंसी

झज्जर । जिम्बाब्वे में खेले गए U-19 वर्ल्ड कप के फाइनल में हरियाणा के झज्जर जिले के रहने वाले कनिष्क चौहान ने भी अपनी चमक बिखेरी। वैभव सूर्यवंशी और कप्तान आयुष महात्र की तूफानी पारी के बाद कनिष्क ने भी अपनी ऑलराउंडर प्रतिभा का परिचय देते हुए 20 गेंदों पर 3 चौके और 1 छक्के की मदद से 37 रन बनाए। आखिरी ओवर में कनिष्क ने धुआंधार बैटिंग की। एक छक्के और दो चौके की मदद से 18 रन बनाए और टीम का स्कोर 400 पार कराया। इसी की बदौलत भारत ने 50 ओवर में 411 रन बनाते हुए इंग्लैंड को 412 रन का टारगेट दिया। यह इस टूर्नामेंट के इतिहास में फाइनल का सबसे बड़ा स्कोर रहा। इसी के साथ कनिष्क ने एक विकेट भी चटकाया। उन्होंने 18वें ओवर में अपने स्पेल के दूसरे ओवर की आखिरी गेंद पर इंग्लैंड के कप्तान थॉमस का विकेट लिया। थॉमस 18 गेंद पर 31 रन बना चुके थे और तेज खेल रहे थे। कनिष्क की गेंद पर आयूष महात्र ने उनका कैच पकड़ा।

झज्जर में अंडर-19 वर्ल्ड कप का मैच देखते कनिष्क चौहान के परिवार वाले।

कनिष्क ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी कर रहे फॉक्नर को विकेट भी लिए। फॉक्नर का विकेट गिरते ही टीम इंडिया ने यह मैच 100 से जीतकर वर्ल्डकप ट्राफी अपने नाम की। जैसे ही कनिष्क ने यह विकेट लिया, झज्जर में उसके घर में खुशी छा गई। मां और परिजन झूम उठे। आतिशबाजी की गई। वर्ल्ड कप में शानदार प्रदर्शन पर कनिष्क चौहान के प्रदर्शन पर मां सरीता चौहान भावुक हो गई। कहा कि उसे अपने बेटे पर नाज है। मुझे ही नहीं, पूरे परिवार और गांव को उस पर नाज है। इससे पहले सेमीफाइनल मैच में कनिष्क चौहान ने 2 विकेट लिए थे। क्वार्टर फाइनल मैच में पाकिस्तान के खिलाफ हुए मैच में कनिष्क चौहान की बदौलत टीम इंडिया जीती और सेमी फाइनल में जगह बना पाई। कनिष्क ने पाकिस्तान के खिलाफ 29 गेंदों में 35 रन और एक विकेट भी लिया था। इसके लिए प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला था। 4 साल की उम्र में खेलना शुरू किया: परिवार मूलरूप से झज्जर के कुलाना गांव का कनिष्क के पिता प्रदीप कुमार खेतीबाड़ी करते हैं और माता सरिता गृहिणी हैं।

2024 में इंटरनेशनल लेवल पर खेलने का मौका मिला

करीब 14-15 साल की तपस्या के बाद कनिष्क को पहली बार इंटरनेशनल खेलने का मौका साल 2024 में मिला। जब अंडर-19 टीम में चयन हुआ। इंग्लैंड की टीम के साथ डेब्यू मैच खेला। कनिष्क ने इंग्लैंड में 5 वनडे मैच खेले, जिनमें 8 विकेट चटकाए। साथ ही 114 रन बनाए थे। इस प्रदर्शन के लिए कनिष्क को बेस्ट ऑल राउंडर ऑफ द सीरीज का पुरस्कार मिला था।

मनोरंजन

'मैं चाहता हूं कि पाकिस्तान मैच खेलने श्रीलंका आए'

टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत-पाक मैच को लेकर सुनील शेट्टी ने किया रिएक्ट

नई दिल्ली। पाकिस्तान द्वारा भारत के खिलाफ मैच नहीं खेलने के फैसले पर बॉलीवुड एक्टर सुनील शेट्टी का रिएक्शन सामने आया है। मुंबई में मीडिया से बातचीत के दौरान शुक्रवार को उन्होंने कहा कि भारत-पाकिस्तान का मैच होना चाहिए। दरअसल, पाकिस्तान सरकार ने आधिकारिक तौर पर घोषणा की है कि उनकी टीम ICC मेन्स T20 वर्ल्ड कप 2026 में हिस्सा लेगी, लेकिन 15 फरवरी को भारत के खिलाफ होने वाले मुकाबले का बायकॉट करेगी। इस मुद्दे पर इंडियन क्रिकेटर केएल राहुल के ससुर और एक्टर सुनील शेट्टी से जब सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा, "मैं चाहूंगा कि पाकिस्तान श्रीलंका में आकर खेले। न खेलने से क्या होगा? भारत और पाकिस्तान के बीच बहुत जबरदस्त राइवलरी है, जैसे एशेज में इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच।" 1 फरवरी को पाकिस्तान सरकार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर एक पोस्ट के जरिए भारत के खिलाफ मैच के बॉयकॉट करने का ऐलान किया था।

दुबई फैशन वीक में कृति सेनन का जलवा

डिजाइनर मनीष मल्होत्रा के लिए बनीं शो स्टॉपर

नई दिल्ली। कृति सेनन अपने अभिनय की वजह से तो चर्चा में रहती हैं। हाल ही में उनके फैशन स्टाइल के भी फैंस कायल हो गए। वह दुबई फैशन वीक में फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा के लेटेस्ट कलेक्शन 'इनाया-द इंडिया स्टोरी' की शो स्टॉपर बनीं। जानें रैंप पर कैसा रहा कृति का लुक? सोशल मीडिया पर भी यूजर्स ने उनके लुक को सराहा है।

पिछले दिनों फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा को दुबई फैशन फेस्टिवल में डिजाइनर ऑफ द ईयर अवॉर्ड भी दिया गया। इस मौके पर शाहरुख खान भी मौजूद थे। मनीष मल्होत्रा ने शाहरुख खान के साथ अपनी कुछ तस्वीरें इंस्टाग्राम पर भी पोस्ट की थी। उन्होंने इंस्टाग्राम पोस्ट करते हुए लिखा था, 'यह हमारी 2 साल की जर्नी है। यह अवॉर्ड मेरे लिए बहुत ही खास है।'

एलीगेंट लुक में दिखीं कृति सेनन

कृति सेनन ने आइवरी कलर की ड्रेस पहनी थी। यह ड्रेस इंडो-वेस्टर्न लुक से इंस्पायर नजर आई। उनके आउटफिट में सुंदर कढ़ाई की गई थी। जो ड्रेस कृति ने पहनी वह एक हाई वेस्टेड फ्लोर लेंथ स्कर्ट है। इसमें शिमरिंग बीडवर्क किया गया था। उनके लुक को शीयर, फ्लोर स्वीपिंग ट्यूल केप ने और भी एलीगेंट बना दिया था। इस ड्रेस में कृति सेनन रॉयल नजर आ रही थीं।

कृति सेनन के करियर फ्रंट की बात करें तो पिछले साल वह धनुष के साथ फिल्म 'तेरे इश्क में' में नजर आईं। इन दिनों वह एक फिल्म 'कॉकटेल 2' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में रश्मिका मंदाना, शाहिद कपूर भी अहम किरदार निभा रहे हैं। करियर के अलावा वह अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी चर्चा में हैं। काफी समय से उनका नाम बिजनेसमैन कबीर बहिया से जोड़ा जा रहा है।

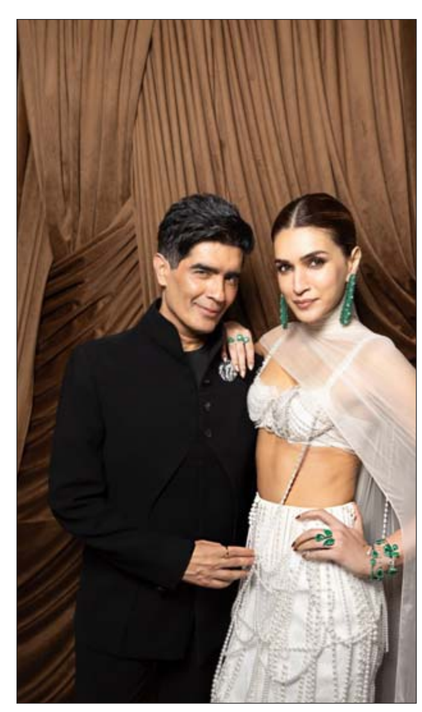

कॉन्ट्रोवर्सी के बाद बुरा था समय रैना का हाल

नई दिल्ली। कॉमेडियन समय रैना ने हाल ही में अपने नए शो 'स्टिल अलाइव', मैडिसन स्क्वायर गार्डन में परफॉर्मेंस और कई दूसरी बातों पर बात की। उन्होंने इंडियाज गॉट लेटैंट विवाद को लेकर 2025 के अपने पुलिस केस के बारे में भी बात की।

जब समय से पूछा गया कि उनके शो का नाम 'स्टिल अलाइव' क्यों है, तो कॉमेडियन ने कहा, 'क्योंकि पिछले साल बहुत ज्यादा चांस था कि मैं जिंदा नहीं रहूंगा। लेकिन अब मैं जिंदा हूं और सब कुछ होने के बावजूद स्टेज पर जाने के लिए एक्साइटेड हूं। यही बात इस शो में है। इसीलिए इसका नाम 'स्टिल अलाइव' है। उन्होंने एक इंटरव्यू में इंडियाज गॉट लेटेंट शो में अपने जोक्स पर हुई आलोचना और उसके बाद अपने खिलाफ हुए पुलिस केस की बात कर रहे थे। शो में उनकी कुछ टिप्पणियों को अश्लील और आपत्तिजनक बताया गया था, जिससे सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग हुई और ऑनलाइन कंटेंट मॉडरेशन पर भी बहस छिड़ गई।

डायरेक्टर लेनिन भारती ने रजनीकांत को कहा 'नकली समाजसेवी'

नई दिल्ली। डायरेक्टर लेनिन भारती ने सुपरस्टार रजनीकांत की आलोचना करते हुए उन्हें 'नकली समाजसेवी' कहा है। दरअसल, रजनीकांत ने हाल ही में चेन्नई की एक सफाई कर्मचारी पद्मा की ईमानदारी से खुश होकर उसे एक सोने की चेन गिफ्ट की। इस खबर के सामने आते ही कई लोगों ने रजनीकांत की इस पहल की तारीफ की। हालांकि, डायरेक्टर लेनिन भारती ने इस पर अलग तरीके से रिएक्ट किया। लेनिन ने X पर रजनीकांत की टीम द्वारा शेयर की गई एक तस्वीर पोस्ट की। इस तस्वीर में रजनीकांत, सफाई कर्मचारी की वर्दी पहने पद्मा को गले लगाते दिख रहे हैं। तस्वीर के साथ लेनिन ने तमिल में लिखा, ₹जब सफाई कर्मचारी रिपन बिल्डिंग के बाहर अपने अधिकारों के लिए प्रदर्शन कर रहे थे, तब आप कहां थे, रजनीकांत सर? ऐसा लगता है कि आपकी तथाकथित दरियादिली उन्हें तभी देख पाती है, जब वे वर्दी में हों। आप नकली समाजसेवी हैं। लेनिन यहां 2025 में रिपन बिल्डिंग के बाहर हुए प्रदर्शनों की बात कर रहे थे।

नेपाली एक्टर सुनील थापा का कार्डियक अरेस्ट से निधन

फिल्म मैरी कॉम में प्रियंका चोपड़ा के कोच बने थे, 300 से ज्यादा फिल्मों में की एक्टिंग

नई दिल्ली। नेपाली एक्टर सुनील थापा का शुक्रवार सुबह 68 साल की उम्र में निधन हो गया। काठमांडू के थापथली स्थित नॉर्विक अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई। अस्पताल के अनुसार, उनकी मौत कार्डियक अरेस्ट के चलते हुई। बता दें कि सुनील थापा ने नेपाली और हिंदी समेत कई फिल्मों में एक्टिंग की है। फिल्म मैरी कॉम में प्रियंका चोपड़ा के कोच के किरदार से उन्हें खास पहचान मिली, जिसके लिए उन्हें फिल्मफेयर अवॉर्ड्स में नॉमिनेशन भी मिला था। काठमांडू पोस्ट के अनुसार, नॉर्विक अस्पताल के चेयरपर्सन राजेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि सुनील थापा को बेहोशी की हालत में अस्पताल लाया गया था। शुक्रवार सुबह 7:44 बजे किए गए ईसीजी में उनकी मौत की पुष्टि हुई।

नेपाली सिनेमा के कद्दावर एक्टर माने जाने वाले सुनील थापा ने कई दशकों तक नेपाली, बॉलीवुड और भोजपुरी फिल्मों में काम किया। उन्होंने 300 से अधिक नेपाली फिल्मों में अभिनय किया। फिल्म चीनो में 'रात कैला' के रूप में निभाया गया उनका किरदार बेहद लोकप्रिय हुआ और इसी रोल ने उन्हें इंडस्ट्री के सबसे फेमस विलेन के रूप में स्थापित किया। फिल्मों में आने से पहले थापा खेलों से भी जुड़े रहे। उन्होंने बॉम्बे के क्लबों के लिए प्रोफेशनल फुटबॉल खेला। अपने शुरुआती करियर में वह JS मैगजीन (जूनियर स्टेट्समैन) में फोटो जर्नलिस्ट भी रहे।

ट्रेड डील के बाद इंडियन मैप शेयर किया
अमेरिका ने पीओके -अक्साई चिन को भारत का हिस्सा बताया

विवाद

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

भारत और अमेरिका ने शुक्रवार को एक अंतरिम व्यापार समझौते का फ्रेमवर्क घोषित किया। इस घोषणा के साथ अमेरिकी ट्रेड ऑफिस (USTR) ने इंडियन मैप शेयर किया। इस मैप में पूरा जम्मू-कश्मीर क्षेत्र, जिसमें पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (PoK) और अक्साई चिन (चीन के कब्जे वाला इलाका) हैं, उन्हें भारत का हिस्सा दिखाया गया है। यह नक्शा सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। अमेरिका पहले के नक्शों में PoK को अलग से दिखाता था। अंतरराष्ट्रीय मंचों और पश्चिमी देशों के सरकारी नक्शों में भी विवादित हिस्सों को अलग रंग या 'डॉटेड लाइन्स' से दिखाया जाता है।

इस बार ट्रम्प प्रशासन ने जानबूझ-कर या अनजाने में एक ऐसा नक्शा शेयर किया जो भारत की सीमाओं को पूरी तरह मान्यता देता है। भारत हमेशा से जम्मू-कश्मीर को अपना अभिन्न अंग मानता आया है।

सोशल मीडिया पर वायरल

> भारत और पाकिस्तान के बीच पीओके विवाद जम्मू-कश्मीर क्षेत्र से जुड़ा सबसे पुराना विवाद है। यह 1947 से चला आ रहा है और दोनों देशों के बीच युद्ध, तनाव और कूटनीतिक लड़ाई का कारण बना हुआ है।

पाकिस्तानी पीएम बोले थे- कश्मीर पाकिस्तान का हिस्सा बनेगा

अमेरिका ने यह मैप शेयर कर पाकिस्तान को कड़ा संदेश दिया है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने 5 फरवरी को बयान जारी कर कहा था कि कश्मीर पाकिस्तान का हिस्सा बनेगा। शहबाज शरीफ ने कहा कि पाकिस्तान कश्मीरियों के साथ मजबूती से खड़ा है और जम्मू-कश्मीर विवाद का हल कश्मीर के लोगों की इच्छा के मुताबिक होना चाहिए। शहबाज ने कहा कि जम्मू-कश्मीर विवाद का समाधान संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों को लागू करने से ही हो सकता है। उन्होंने कहा, 'मैं पाकिस्तानी लोगों और पाकिस्तानी नेतृत्व की ओर से कश्मीर के अपने भाइयों के साथ एकजुटता दिखाने आया हूं।' उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के संस्थापक मोहम्मद अली जिन्ना ने इस क्षेत्र को पाकिस्तान की लाइफ लाइन बताया था।

1947: भारत-पाकिस्तान विभाजन- भारत के विभाजन के समय जम्मू-कश्मीर एक रियासत (प्रिंसली स्टेट) थी, जिसके महाराजा हरि सिंह हिंदू थे, लेकिन आबादी में मुस्लिम बहुमत में थे। विभाजन के नियम के अनुसार, रियासतें भारत या पाकिस्तान में शामिल हो सकती थीं या स्वतंत्र रह सकती थीं। 1947-48: पहला भारत-पाकिस्तान युद्ध- पाकिस्तान से आए मिलिशिया ने कश्मीर पर हमला किया।

शहबाज बोले- कश्मीर का मुद्दा हमारी फॉरेन पॉलिसी की नींव है

शहबाज शरीफ ने कहा कि कश्मीर का मुद्दा पाकिस्तान की फॉरेन पॉलिसी का आधार है। शहबाज ने भारत और पाकिस्तान के बीच मई 2025 में हुए चार दिवसीय सैन्य संघर्ष को भी याद किया। उन्होंने दावा किया कि इस संघर्ष के बाद कश्मीर मुद्दा एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पूरी ताकत के साथ उठाया गया है।

उन्होंने आरोप लगाया कि भारत अब प्रॉक्सी के जरिए आतंकवाद को बढ़ावा दे रहा है। पाकिस्तान, मिलिटेंट ग्रुप बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (BLA) को भारत का समर्थन मिलने का दावा करता है, जबकि भारत ऐसे आरोपों को हमेशा खारिज करता रहा है।

आईएसआईएस ने ली इस्लामाबाद की मस्जिद में विस्फोट की जिम्मेदारी
सुसाइड बॉम्बर ने नमाजियों के बीच खुद को उड़ाया था

नई दिल्ली, एजेंसी

शुक्रवार को पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद की शिया मस्जिद में जुमे की नमाज के दौरान आत्मघाती हमला हुआ। डॉन खबर की रिपोर्ट के अनुसार, इस हमले में अब तक 33 लोगों की मौत हो गई और 169 लोग घायल हो गए।

इस्लामाबाद में हुए इस हमले की जिम्मेदारी इस्लामिक स्टेट समूह ISIS ने ली है। यह जानकारी शुक्रवार को SITE इंटेलिजेंस ग्रुप ने दी। यह हमला 2008 में मैरियट होटल बम विस्फोट के बाद इस्लामाबाद में हुआ सबसे घातक हमला है।

जिहादी समूहों पर नजर रखने वाले SITE इंटेलिजेंस ग्रुप के अनुसार, ईमस्जिद के भीतरी द्वार पर पहुंचते ही शहादत की चाह रखने वाले व्यक्ति ने शिया समुदाय के बीच अपनी विस्फोटक जैकेट में विस्फोट कर दिया, जिससे बड़ी

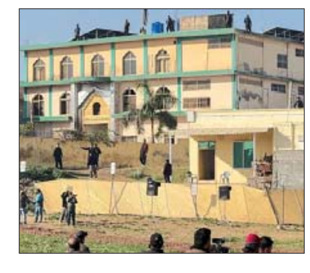

संख्या में लोग मारे गए और घायल हुए। यह धमाका शुक्रवार को जुमे की नमाज के दौरान हुआ, जब मस्जिद नमाजियों से खचाखच भरी हुई थी। इस आत्मघाती हमले की जिम्मेदारी लेने वाले ISIS ने बताया कि एक आतंकवादी ने नमाजियों को निशाना बनाया और विस्फोटक जैकेट में विस्फोट किया। इस दौरान बड़ी संख्या में लोगों की मौत और घायल होने को अंजाम दिया।

समाचार एजेंसी एएफपी ने सूत्रों के हवाले से बताया कि हमलावर को द्वार पर ही रोक दिया गया था और उसने खुद को उड़ा लिया।

फास्ट न्यूज

अमेरिका में खोदाई में मिली 150 साल पुरानी शराब की बोतल

नई दिल्ली। अमेरिका के यूटा राज्य में पुरातत्वविदों को 150 साल पुरानी शराब की बोतल मिली है। स्की रिसॉर्ट क्षेत्र में खोदाई के दौरान इस बोतल को पाया गया। ये बोतल 1870 से 1890 के बीच के समय की मानी जा रही है।

यूटा में मिली यह शराब की बोतल पूरी भरी हुई थी। पुरातत्व-विदों को यह बोतल काफी अच्छी स्थिति में मिली, जिस पर कॉर्क भी लगा हुआ था।

चांदी दो दिन में 38 हजार सस्ती

नई दिल्ली। सोने-चांदी के दाम में आज यानी 6 फरवरी को गिरावट रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार, सर्राफा बाजार में चांदी की कीमत आज 9,410 रुपए गिरकर 2,44,929 रुपए प्रति किलो पर आ गई है। इससे पहले गुरुवार को इसकी कीमत 2,54,339 रुपए थी। दो दिन में ये 37,533 रुपए सस्ती हो चुकी है। वहीं, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव आज 424 रुपए कम होकर 1,52,078 रुपए पर आ गया है। इससे पहले ये गुरुवार को 1,52,502 रुपए पर था। सोना दो दिन में 6,080 रुपए सस्ता हुआ है।

'दिल्ली को दहलाएंगे, आगरा को आग लगाएंगे'

नई दिल्ली। लश्कर-ए-तैयबा के शीर्ष आतंकी सैयद अब्दुल रहमान नकवी ने दिल्ली-आगरा और ढक्कन समेत भारत के दूसरे बड़े शहरों पर हमले की खुली धमकी दी है। दरअसल, तथाकथित 'कश्मीर सॉलिडैरिटी डे' पर जैश-ए-मुहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादियों ने पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर में सार्वजनिक रैलियां कीं।

एनएसई के बोर्ड ने दिया आईपीओ के लिए अप्रूवल
इश्यू पूरी तरह ऑफर फॉर सेल होगा

मुंबई, एजेंसी

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) के बोर्ड ने IPO के लिए अप्रूवल दे दिया है। ये IPO पूरी तरह ऑफर फॉर सेल यानी OFS होगा, जिसमें मौजूदा शेयरहोल्डर्स अपनी हिस्सेदारी बेचेंगे।

बोर्ड ने IPO के लिए कमेटी का भी गठन किया है, जो पूरी लिस्टिंग प्रोसेस को देखेगी। SEBI से हाल ही में नो-ऑब्जेक्शन (NOC) मिलने के बाद ये फैसला आया है, जो भारत के कैपिटल मार्केट के लिए एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। NSE ने कहा कि IPO पूरी तरह OFS होगा। कंपनी नए शेयर जारी नहीं करेगी। लिस्टिंग NSE-BSE दोनों स्टॉक एक्सचेंज पर हो सकती है, लेकिन ये रेगुलेटरी अप्रूवल, मार्केट कंडीशंस और अन्य फैक्टर्स पर निर्भर रहेगा। NSE भारत का सबसे बड़ा स्टॉक एक्सचेंज है, जहां ट्रेडिंग वॉल्यूम सबसे ज्यादा होता है।

बोर्ड ने IPO कमेटी को रीकंस्टीट्यूट किया है। इस कमेटी की अध्यक्षता टेबलेश पांडे करेंगे। कमेटी मेंबर्स में पब्लिक इंटरेस्ट डायरेक्टर्स श्रीनिवास इंजेती, प्रोफेसर ममता बिस्वाल, अभिलाषा कुमारी, प्रोफेसर सिवकुमार शामिल हैं। साथ ही NSE के MD और CEO आशिश चौहान भी कमिटी में हैं। कमेटी बोर्ड द्वारा दिए गए कामों को करेगी, लिस्टिंग प्रक्रिया को डिफाइन करेगी और मर्चेंट बैंकर, लीगल एडवाइजर नियुक्त करने के क्राइटेरिया तय करेगी।

दावा- सुनहरे बालों वाली स्वीडिश महिला की पेशकश हुई, अनिल बोले- अरेंज करो
एपस्टीन फाइल्स : अनिल अंबानी की चैट सामने आई

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिकी जस्टिस डिपार्टमेंट ने यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन ने जो दस्तावेज जारी किए हैं, उसमें अनिल अंबानी से जुड़े नए खुलासे सामने आए हैं। ये दस्तावेज एपस्टीन और उद्योगपति अनिल अंबानी के बीच 2017 से 2019 के दौरान हुई बातचीत से जुड़े हैं।

ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, इनमें कारोबार, वैश्विक मामलों और महिलाओं को लेकर चर्चा हुई। 9 मार्च 2017 की बातचीत में अनिल ने एपस्टीन से पूछा- क्या सुझाव है?

इस पर एपस्टीन ने लिखा- मुलाकात 'मजेदार' बनाने के लिए 'लंबी स्वीडिश ब्लॉन्ड महिला' बेहतर होगी। इसके बाद अंबानी ने जवाब दिया, 'इसे अरेंज करो।' बातचीत तब की है। चैट्स में डोनाल्ड ट्रम्प और हॉलीवुड से जुड़े संदर्भ भी हैं। एक बातचीत में एपस्टीन ने पसंदीदा महिला पर सवाल किया, जिस पर अंबानी ने हॉलीवुड अभिनेत्री स्कारलेट जोहानसन का जिक्र किया।

तब रिलायंस एंटरटेनमेंट उनकी फिल्म 'घोस्ट इन द शेल' की सह-निर्माता थी।

मीरा नायर की फिल्म की खुशी में मैक्सवेल ने पार्टी रखी थी

मीरा नायर से जुड़ा मेल अमेरिकी पब्लिसिटी मैनेजर पेगी सीगल ने एपस्टीन को 21 अक्टूबर 2009 को भेजा था। इसमें सीगल ने लिखा है कि वह गिस्लीन मैक्सवेल (एपस्टीन की गर्लफ्रेंड और अपराधी) के मैनहट्टन टाउन-हाउस से एक आफ्टर-पार्टी से लौटी हैं। मीरा नायर न्यूयॉर्क सिटी के मेयर जोहरान ममदानी की मां हैं।

मैक्सवेल के घर पर हुई यह पार्टी मीरा नायर की 2009 में रिलीज हुई फिल्म 'एमेलिया' से जुड़ी थी।

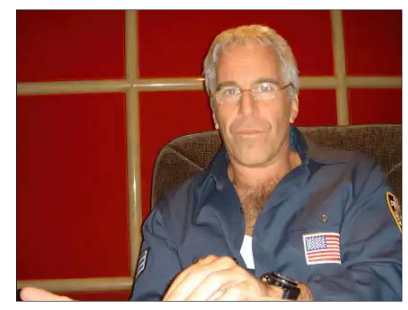

यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन की जेल में मौत हो गई थी। आधिकारिक रिपोर्ट्स के मुताबिक उसने आत्महत्या की थी।

> अनिल अंबानी अनिल अंबानी रिलायंस एडीए ग्रुप के चेयरमैन हैं। साल 2008 में उनकी संपत्ति करीब 42 अरब डॉलर आंकी गई थी। उस समय फोर्ब्स की अमीरों की सूची में उनका छठा स्थान था।

दावा- एपस्टीन के घर गए थे अंबानी

यह बातचीत उस समय की है, जब एपस्टीन को पहले ही 2008 में नाबालिगों से जुड़े यौन आपराध के मामले में सजा मिल चुकी थी। इसके बावजूद एपस्टीन दुनिया के कई प्रभावशाली और ताकतवर लोगों के संपर्क में बना हुआ था।

रिकॉर्ड बताते हैं कि दोनों के बीच पेरिस और न्यूयॉर्क में मिलने की योजना बनीं। मई 2019 में अनिल अंबानी के न्यूयॉर्क दौरे के वक्त एपस्टीन ने उन्हें मैनहैटन स्थित अपने घर बुलाया, जहां दोनों मिले।

दूसरे ईमेल्स से यह भी पता चलता है कि अंबानी और एपस्टीन के बीच अंतरराष्ट्रीय यात्राओं, बिजनेस मीटिंग्स और वैश्विक मंचों पर होने वाले कार्यक्रमों को लेकर बातचीत हुई थी। इनमें पेरिस, न्यूयॉर्क और वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के कार्यक्रमों में संभावित मुलाकातों का जिक्र है।

चुनाव पर भारत-पाक और चीन की नजर, बदल जाएगा साउथ एशिया का पावर बैलेंस
बांग्लादेश को 35 साल बाद नया पीएम मिलेगा

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश में 12 फरवरी को संसदीय चुनाव होने जा रहे हैं। पूर्व पीएम शेख हसीना के देश छोड़ने और खालिदा जिया के निधन के बाद यह पहला चुनाव है। 1991 से 2024 तक बांग्लादेश की राजनीति में इन दो नेताओं का दबदबा रहा।

ऐसे में 35 साल बाद देश को नया प्रधानमंत्री मिलेगा। शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग को इस चुनाव में हिस्सा लेने की इजाजत नहीं दी गई है। चुनाव आयोग का कहना है कि 2024 में हुए छात्र आंदोलन के दौरान हुई हिंसा में पार्टी की भूमिका की वजह से यह फैसला लिया गया है। बांग्लादेश की समुद्री सीमा इस इलाके को रणनीतिक रूप से बहुत अहम बना देती है। यह इलाका ग्लोबल शिपिंग, एनर्जी रूट्स और नौसैनिक गतिविधियों के लिए, बेहद संवेदनशील है चौथा फैक्टर है इस्लामिक राजनीति और कट्टरपंथ। बांग्लादेश मुस्लिम बहुल देश है, लेकिन अब तक उसकी राजनीति तुलनात्मक रूप से संतुलित रही है। अगर वहां राजनीतिक अस्थिरता बढ़ती है या कट्टरपंथ को जगह मिलती है, तो इसका असर सिर्फ बांग्लादेश तक सीमित नहीं रहता, बल्कि भारत, म्यांमार और पूरे साउथ एशिया की सुरक्षा पर पड़ता है। अगर इस चुनाव में BNP जीतती है या मजबूत सरकार बनाती है, तो भारत-बांग्लादेश रिश्तों में दूरी बढ़ सकती है।

> अल जजीरा के मुताबिक एक्सपर्ट्स का कहना है कि बांग्लादेश के ये चुनाव सिर्फ देश की राजनीति ही नहीं, बल्कि पूरे साउथ एशिया की डिप्लोमेसी और पावर बैलेंस को बदल सकते हैं। इसलिए भारत, पाकिस्तान और चीन की भी इन चुनाव पर नजर बनाए हुए हैं।

1991 से 2024 तक बांग्लादेश की राजनीति में शेख हसीना (दाएं) और खालिदा जिया (बाएं) का ही दबदबा रहा है। 35 साल बाद ये पहला चुनाव जिसमें दोनों मौजूद नहीं हैं।

साउथ एशिया के पावर बैलेंस के लिए अहम बांग्लादेश

बांग्लादेश का आम चुनाव तय करेगा कि देश आगे भारत के करीब रहेगा या पाकिस्तान और चीन की तरफ झुकेगा। इससे साउथ एशिया का पावर बैलेंस बदल सकता है। इसी वजह से इस चुनाव को बेहद अहम माना जा रहा है।

बांग्लादेश साउथ एशिया के पावर बैलेंस के लिए इसलिए अहम है क्योंकि यह देश भूगोल, राजनीति, अर्थव्यवस्था और रणनीतिक हितों चारों मोर्चों पर एक साथ असर डालता है।

हसीना के तख्तापलट के बाद विदेश नीति में बदलाव

बांग्लादेश में अगस्त 2024 से नोबेल विजेता मोहम्मद यूनुस की लीडरशिप में अंतरिम सरकार काम कर रही है। राजनीतिक जानकारों के मुताबिक, हसीना के सत्ता से हटने के बाद बांग्लादेश की विदेश नीति में बड़ा बदलाव आया है।

भारत के साथ रिश्ते अब अपने सबसे निचले स्तर पर पहुंच गए हैं, जबकि पाकिस्तान के साथ संबंध बेहतर हुए हैं और चीन के साथ रणनीतिक रिश्ते और मजबूत हुए हैं।

देशभर में आज एप बेस्ड ट्रांसपोर्ट वर्कर्स की हड़ताल
घटती कमाई और शोषण के खिलाफ प्रदर्शन

नई दिल्ली, एजेंसी

देश भर में शनिवार को एप बेस्ड ट्रांसपोर्ट वर्कर्स (गिग वर्कर्स) की हड़ताल है। तेलंगाना गिग एंड प्लेटफॉर्म वर्कर्स यूनियन (TGPWU) और इंडियन फेडरेशन ऑफ एप-बेस्ड ट्रांसपोर्ट वर्कर्स (IFAT) से जुड़े ड्राइवरों और वर्कर्स ने इस हड़ताल की घोषणा की है।

यह हड़ताल ड्राइवरों की घटती कमाई, बढ़ते शोषण और सरकार की ओर से न्यूनतम बेस फेयर तय न किए जाने के विरोध में की जा रही है। इसमें ओला, उबर, रैपिडो, पोर्टर समेत अन्य एप-बेस्ड ट्रांसपोर्ट सेवाओं से जुड़े ड्राइवर शामिल होंगे। यूनियनों के मुताबिक, इस दौरान कैब और बाइक टैक्सी सेवाएं पर असर रहेगा। ड्राइवरों का आरोप है कि बाइक टैक्सी सेवाएं अवैध हैं। ओला, उबर, रैपिडो जैसी कंपनियां किराया मनमाने तरीके से तय कर रही हैं, जिससे ड्राइवरों को नुकसान हो रहा है। ड्राइवर चाहते हैं कि बाइक टैक्सी पर रोक लगे और किराया तय करने में कंपनियों की मनमानी खत्म हो। यूनियनों के मुताबिक, मोटर व्हीकल एग्रीगेटर गाइडलाइंस-2025 मौजूद होने के बावजूद केंद्र और राज्य सरकारों ने अब तक न्यूनतम बेस फेयर को नोटिफाई नहीं किया है। इसका फायदा उठाकर एग्रीगेटर कंपनियां मनमाने तरीके से किराया तय कर रही हैं। यूनियनों का आरोप है कि कंपनियां किराया कम करती जा रही हैं, जबकि सारा ऑपरेशनल जोखिम ड्राइवरों पर डाल दिया गया है।

घोषणा : पीयूष गोयल बोले- अमेरिका में भारतीय कृषि उत्पादों पर जीरो ड्यूटी

भारत पर अमेरिकी एक्स्ट्रा टैरिफ आज से खत्म

नईदिल्ली/वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

कॉमर्स मिनिस्टर पीयूष गोयल ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के फ्रेमवर्क की घोषणा की तारीफ की। उन्होंने बताया कि भारतीय कृषि उत्पाद अमेरिका में जीरो टैरिफ पर निर्यात किए जाएंगे, जबकि अमेरिका के कृषि उत्पादों को भारत में कोई टैरिफ छूट नहीं दी गई है।

पीयूष गोयल ने साफ किया कि इस समझौते में जेनेटिकली मॉडिफाइड (GM) फूड को भारत में प्रवेश की अनुमति नहीं मिली है। उन्होंने कहा- यह समझौता भारतीय निर्यातकों के लिए 30 ट्रिलियन डॉलर (लगभग 27.18 लाख करोड़ रुपये) के बाजार को खोलेगा।

इसके अलावा भारत ने अगले 5 साल में अमेरिका से 50 हजार करोड़ डॉलर (45 लाख 30 हजार करोड़ रुपये) के उत्पाद खरीदने पर सहमति जताई है। भारत और अमेरिका ने शुक्रवार को अंतरिम व्यापार समझौते (ITA) का फ्रेमवर्क जारी किया है।

इसके तहत भारतीय सामान पर अमेरिका का टैक्स 50% घटाकर 18% कर दिया गया है। रूस से तेल खरीदने को लेकर भारत पर लगाया गया 25% अतिरिक्त टैक्स भी हटा लिया गया है। दोनों देशों ने कहा कि इस फ्रेमवर्क को जल्द लागू किया जाएगा और व्यापक द्विपक्षीय व्यापार समझौते (BTA) की दिशा में बातचीत आगे बढ़ेगी। भारत-अमेरिका के संयुक्त बयान के

नॉन-टैरिफ बाधाओं को दूर करेंगे दोनों देश

पीयूष गोयल ने बताया कि दोनों देशों ने फैसला किया है कि वे इसके कुछ नियम तय करेंगे, ताकि इस समझौते का लाभ मुख्य रूप से अमेरिका और भारत को ही मिले, न कि किसी तीसरे देश को।

भारत और अमेरिका का इस व्यापार समझौते में नॉन-टैरिफ बैरियर्स को दूर करने पर खास फोकस है। ये बाधाएं टैरिफ नहीं होतीं, लेकिन व्यापार को मुश्किल बनाती हैं। अमेरिकी मेडिकल डिवाइसेस कंपनियों को भारत में कीमत तय करने के नियम, रजिस्ट्रेशन में देरी जैसी रुकावटों का सामना करना पड़ रहा था।

मुताबिक, यह फ्रेमवर्क 13 फरवरी 2025 को शुरू हुई भारत-अमेरिका BTA वार्ता को आगे बढ़ाएगा। इस समझौते में आगे चलकर बाजार पहुंच, सप्लाई चेन को मजबूत करने और ट्रेड बैरियर कम करने जैसे प्रावधान शामिल होंगे।

अमेरिकी स्टैंडर्ड्स और टेस्टिंग को मान्यता देने पर काम करेगा भारत

भारत यह भी तय करेगा कि समझौते लागू होने के 6 महीने के अंदर कुछ चुनिंदा क्षेत्रों में अमेरिकी स्टैंडर्ड्स (जो अमेरिका में इस्तेमाल होते हैं) और टेस्टिंग आवश्यकताओं को स्वीकार किया जा सकता है या नहीं। जब कोई अमेरिकी कंपनी भारत में अपना सामान बेचना चाहती है, तो भारत में अलग-अलग स्टैंडर्ड्स (मानक) और टेस्टिंग (जांच) की जरूरत पड़ती है।

अमेरिका में पहले से ही अपने उत्पादों पर अमेरिकी स्टैंडर्ड्स के अनुसार टेस्टिंग हो चुकी होती है, लेकिन भारत में अक्सर दूसरी बार टेस्टिंग करनी पड़ती है।

'कश्मीर बनेगा पाकिस्तान का हिस्सा'
शहबाज शरीफ ने फिर देखा बुरा सपना

नई दिल्ली, एजेंसी

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को एक बार फिर बुरा सपना आया है। बीते गुरुवार को उन्होंने भारत के साथ तनाव को एक बार फिर हवा देते हुए कहा कि कश्मीर एक दिन पाकिस्तान का हिस्सा बनेगा। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) की एक सभा को संबोधित करते हुए शहबाज ने कहा, रपाकिस्तान कश्मीरियों के साथ मजबूती के साथ खड़ा है और जम्मू-कश्मीर विवाद का हल कश्मीर के लोगों की इच्छा के अनुसार होना चाहिए। उन्होंने कहा, जम्मू-कश्मीर विवाद का समाधान संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के प्रस्तावों को लागू करके ही हो सकता है। मैं पाकिस्तानी लोगों और पाकिस्तानी नेतृत्व की ओर से कश्मीर के अपने भाइयों के साथ एकजुटता दिखाने आया हूं। पाकिस्तान के संस्थापक मोहम्मद अली जिन्ना ने इस इलाके को पाकिस्तान की लाइफ लाइन बताया था।

- शहबाज शरीफ ने कश्मीर को पाकिस्तान का हिस्सा बताया।
- पीओके में सभा को संबोधित करते हुए दिया बयान।
- भारत ने कश्मीर पर पाकिस्तान के दावों को नकारा।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म० न० 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ०प्र०) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड-224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं है।
मो०- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96